संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 162
पृष्ठ 8
शनिवार
01 मार्च 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कब नसीब फूटा पता नहीं चला...   विचार- भावी कुम्भ के लिए कई सवाल   खेल- 'हमने सिर्फ मैक्सवेल नहीं, बल्कि...

भारत-तिब्बत-चीन सीमा पर हिमस्खलन में 57 श्रमिक दबे

- 16 श्रमिकों को निकाला जा चुका है
- पुष्कर सिंह धामी ने व्यक्त किया दुख

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में भारत-तिब्बत-चीन सीमा पर स्थित माणा गांव में शुक्रवार पूर्वाह्न भारी बारिश और हिमपात के बीच हिमस्खलन होने से सड़क निर्माण कार्य में जुटे 57 श्रमिकों के दबने की सूचना से शासन में खलबली मच गई। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की महानिरीक्षक (आईजी) रिद्धिम अग्रवाल, के अनुसार अभी 16 श्रमिकों को निकाला जा चुका है। जबकि अन्य को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर, घटना पर दुख व्यक्त किया है। श्री धामी ने लिखा, "सीमांत जनपद चमोली में माणा गांव के निकट सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा संचालित निर्माण कार्य के दौरान, हिमस्खलन की वजह से कई मजदूरों के दबने का दु:खद समाचार प्राप्त हुआ। आईटीबीपी, बीआरओ और अन्य बचाव दलों द्वारा राहत एवं बचाव कार्य संचालित किया जा रहा है। भगवान बदरी विशाल से सभी श्रमिक भाइयों के सुरक्षित होने की प्रार्थना करता हूं।" हिमस्खलन की घटना के बारे में एसडीआरएफ महानिरीक्षक ने बताया कि माणा गाँव, ज़िला चमोली के पास हिमस्खलन की घटना में बीआरओ के कुल 57 श्रमिक प्रभावित हुए। उन्होंने कमांडेंट, बीआरओ के हवाले से बताया कि अब तक 15 श्रमिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि 42 लापता थे। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ की एक टीम जोशीमठ से रवाना हो चुकी है। लामबगड़ में सड़क अवरुद्ध होने के कारण सेना से संपर्क कर मार्ग खोलने की प्रक्रिया चल रही है। दूसरी टीम को सहस्रधारा हेलीपैड पर अलर्ट पर रखा गया है। क्षेत्र के सटीक निर्देशांक प्राप्त किये गए हैं। उन्होंने बताया कि मौसम की स्थिति में सुधार होते ही एसडीआरएफ की हाई-एल्टीट्यूड रेस्क्यू टीम को हेलीकॉप्टर से निकटतम उपलब्ध स्थान पर उतारा जाएगा। श्रीमती अग्रवाल ने बताया कि एसडीआरएफ एवं जिला प्रशासन द्वारा बीआरओ एवं सेना के साथ समन्वय किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ ड्रोन की टीम को भी तैयारी हालात में रखा गया है। भारी हिमपात होने के कारण फिलहाल ड्रोन ऑपरेशन संभव नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि अब तक पांच और व्यक्तियों को निकाला गया है, जिनमें से तीन घायल हैं और उन्हें सेना अस्पताल, माणा में भर्ती कराया गया है, जबकि दो की हालत सामान्य है। उन्होंने बताया कि प्रभावितों को जल्द से जल्द सुरक्षित निकालने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

दलितों की उपेक्षा कर रही है सरकार : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर दलितों की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इस वर्ग के हितों के

लिए बने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की अपेक्षा की जा रही है ताकि दलितों की आवाज दबाया जा सके। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि अनुसूचित जाति आयोग में कई पदों पर भर्ती नहीं की जा रही है और यह दलितों के सामाजिक तथा संवैधानिक अधिकारों पर जानबूझकर किया जा रहा हमला है। उन्होंने कहा कि आयोग में खाली पड़े पदों पर जल्द से जल्द भर्ती की जानी चाहिए। श्री गांधी ने कहा,"भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की दलित विरोधी मानसिकता का एक और सबूत देखिए। दलितों के अधिकारों की रक्षा करने वाले राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को जानबूझकर उपेक्षित कर दिया गया है – इसके दो अहम पद पिछले एक साल से ख़ाली पड़े हैं।" उन्होंने कहा,"यह आयोग एक संवैधानिक संस्था है – इसे कमज़ोर करना दलितों के संवैधानिक और सामाजिक अधिकारों पर सीधा हमला है। आयोग नहीं तो सरकार में दलितों की आवाज़ कौन सुनेगा। उनकी शिकायतों पर कार्रवाई कौन करेगा। प्रधानमंत्री जी, जल्द से जल्द आयोग के सभी पद भरे जाने चाहिए ताकि यह दलितों के हकों और अधिकारों की रक्षा करने की अपनी ज़िम्मेदारी प्रभावी रूप से निभा सके।"

समृद्ध भारत के निर्माण में राजेंद्र प्रसाद का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा : योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के पहले राष्ट्रपति 'भारत रत्न राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि समृद्ध भारत के निर्माण में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री योगी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर लिखा, "महान स्वाधीनता सेनानी, देश के प्रथम राष्ट्रपति, संविधान सभा के अध यक्ष, 'भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! योगी ने कहा "मूल्यों और आदर्शों से सुवासित आपका संपूर्ण जीवन लोकतंत्र की पाठशाला है। 'समृद्ध भारत के निर्माण में आपके योगदान सदैव स्मरणीय रहेंगे। राजेंद्र प्रसाद का जन्म तीन दिसंबर 1884 को बिहार प्रांत में हुआ था और 28 फरवरी 1963 को 78 वर्ष की उम्र में उनका पटना में निधन हो गया।

आतिशी ने भाजपा पर लगाया बड़ा आरोप, विधानसभा से निलंबन पर राष्ट्रपति से करेंगी मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विपक्ष की नेता आतिशी ने स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को लिखे एक पत्र में विधानसभा से आम आदमी पार्टी (आप) के 22 में से 21 विधायकों के निलंबन को अन्याय बताया है। आतिशी उन 21 विधायकों में से एक हैं जिन्हें आप के इस दावे के बाद स्पीकर ने निलंबित कर दिया था। वहीं, आतिशी ने आरोप लगाया कि बीजेपी सोचती है कि देश लोकतंत्र और संविधान से नहीं बल्कि तानाशाही से चलता है... और हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। सीआरपीएफ की इतनी टीमें क्यों जुटी हैं? आतिशी ने कहा कि हम आप विधायक राष्ट्रपति से मिलने

जा रहे हैं क्योंकि संविधान और लोकतंत्र को बचाने की जिम्मेदारी राष्ट्रपति की है। आप विधायक गोपाल राय ने कहा कि बीजेपी का रवैया काम करने का कम और ।।च को गाली देने का ज्यादा लग रहा है। लोगों ने बीजेपी को सत्ता में इसलिए बिठाया है ताकि वो काम करें। वे सभी ब।ळ रिपोर्ट पेश क्यों नहीं कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि विपक्ष को इस पर अपनी बात रखने का मौका दें। भारतीय राजनीति में ऐसा पहली बार हो रहा है कि विपक्षी विधायकों को सदन में घुसने नहीं दिया जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में आतिशी ने दिल्ली विधानसभा में हुई घटनाओं पर चिंता व्यक्त की, जहां उन्होंने दावा किया कि विपक्षी दल के विधायकों को उनके विरोध प्रदर्शन के लिए भेदभावपूर्ण व्यवहार का सामना करना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि आप विधायकों को उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना के अभिभाषण के दौरान "जय भीम" के नारे लगाने के बाद निलंबित कर दिया गया, जबकि "मोदी-मोदी" का नारा लगाने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। विवाद तब और बढ़ गया जब आतिशी समेत निलंबित आप विधायकों को बृहस्तपिवार को महात्मा गांधी की प्रतिमा पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने के लिए विधानसभा परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया।

संभल की जामा मस्जिद की नहीं होगी रंगाई-पुताई, सिर्फ साफ-सफाई की इजाजत

संभल, एजेंसी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को संभल में जामा मस्जिद के परिसर को साफ करने का निर्देश दिया, लेकिन मस्जिद की सफेदी करने का आदेश पारित नहीं किया। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने यह आदेश जामा मस्जिद प्रबंधन समिति के एक आवेदन पर पारित किया, जिसमें रमजान से पहले मस्जिद की सफेदी और सफाई की अनुमति मांगी गई थी। गुरुवार को अदालत ने एएसआई को मस्जिद स्थल का तुरंत निरीक्षण करने और तीन अधिकारियों की एक टीम नियुक्त

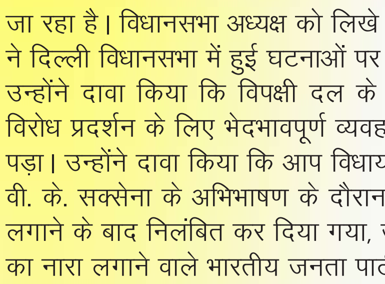

करने का निर्देश दिया, जो शुक्रवार सुबह 10 बजे तक इस संबंध में एक रिपोर्ट पेश की। एएसआई की रिपोर्ट के मुताबिक, मस्जिद के अंदरूनी हिस्से में सिरेमिक पेंट है और फिलहाल इसे सफेद करने की कोई जरूरत नहीं है। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान मस्जिद समिति की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एस एफ ए नकवी ने कहा कि वे चाहते हैं कि केवल सफेदी और रोशनी का काम किया जाए। इस पर कोर्ट ने एएसआई को परिसर में धूल साफ करने और घास साफ करने को कहा।

भारत की बुनियाद सनातन धर्म में निहित है : उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भारत की गहरी आध्यात्मिकता और प्राचीन सभ्यता को रेखांकित करते हुए शुक्रवार को कहा कि देश की बुनियाद सनातन धर्म में निहित है। धनखड़ ने आर्थिक विभाजन से ऊपर उठना भी है।" उन्होंने भारत की धरोहर का उल्लेख करते हुए कहा, "विश्व में (भारत को छोड़कर) किसी भी देश की संस्कृति 5,000 वर्ष पुरानी नहीं है। भारत विश्व का आध्यात्मिक केंद्र रहा है और

आध्यात्मिक गुरु श्रील प्रभुपाद की 150वीं जयंती के अवसर पर यहां एकत्र लोगों से कहा कि अहिंसा, शांति और भाईचारे के अपने संदेश के जरिये लंबे समय से दुनिया का पथ प्रदर्शक रहा भारत एक दिन विश्व गुरु बनेगा। उन्होंने कहा, "सनातन का अर्थ है समावेशिता, सार्वभौमिक मूल्य, देशभक्ति। इसका अभिप्राय जाति, पंथ और हमें इस गति को बनाये रखना होगा।" धनखड़ ने 1,000-1,200 साल पहले नालंदा और तक्षशिला जैसे प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों पर हुए हमलों को लेकर भी अफसोस जताया। उन्होंने कहा, "हमने अकल्पनीय बर्बरता देखी, फिर भी हम उठ खड़े हुए। अब, भारत फिर से विकास और प्रगति के पथ पर है, जो आध्यात्मिक विकास के बिना संभव नहीं है।"

तपेदिक को खत्म करने का लक्ष्य इस साल हासिल कर लेगा भारत : नड्डा

भुवनेश्वर, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा ने कहा कि भारत इस साल के अंत तक देश से तपेदिक (टीबी) को खत्म करने का लक्ष्य हासिल कर लेगा। नड्डा ने यह बात ओडिशा के पुरी में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में अच्छे एवं अनुकरणीय व्यवहारों और नवाचारों पर 9वें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कही। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्लू) ने दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया है। नड्डा ने कहा, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुसार, भारत को 2030 तक टीबी को खत्म करना है। लेकिन, हम इस लक्ष्य को 2025 तक हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, देश भर के 455 जिलों में जारी 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के दौरान हमने पहले ही पांच लाख टीबी रोगियों की पहचान की है। एक व्यापक अभियान जारी है।

वंचित वर्गों को फोरेंसिक साक्ष्य के आधार पर निष्पक्ष और त्वरित न्याय मिले : मुर्मु

अहमदाबाद, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छात्रों से कहा है कि उनका लक्ष्य समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से कमजोर तथा वंचित वर्गों को फोरेंसिक साक्ष्य के आधार पर निष्पक्ष और त्वरित न्याय प्रदान करना होना चाहिए। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां गांधीनगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लिया। राष्ट्रपति ने कहा कि देश में न्याय आधारित सामाजिक व्यवस्था को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। उन्होंने कहा कि विरासत और विकास को मिलाकर हम न्याय आधारित विकसित भारत का निर्माण कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में गृह मंत्रालय ने फोरेंसिक विज्ञान की भूमिका को मजबूत करने और इस क्षेत्र में सुविधाएं और क्षमता विकसित करने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी न्याय प्रणाली तभी मजबूत मानी जाती है जब वह सही मायने में

समावेशी हो। उन्होंने छात्रों से कहा कि उनका लक्ष्य समाज के सभी वर्गों, विशेषरूप से कमजोर और वंचित वर्गों को फोरेंसिक साक्ष्य के आधार पर निष्पक्ष और त्वरित न्याय प्रदान करना होना चाहिए। उन्होंने छात्रों से देश के सुशासन में योगदान देने का भी आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों में अपराध जांच और साक्ष्य से जुड़े बदलाव किए गए हैं और जिन मामलों में सजा की अवधि सात वर्ष या उससे अधिक है, उनमें अब फोरेंसिक विशेषज्ञ का घटनास्थल पर जाकर जांच करना अनिवार्य कर दिया गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में सभी राज्यों में समयबद्ध तरीके से फोरेंसिक सुविधाओं के विकास का प्रावधान किया गया है। कई कानूनों में समयबद्ध फोरेंसिक जांच को अनिवार्य बनाया गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि इन बदलावों से फोरेंसिक विशेषज्ञों की मांग बढ़ेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे बदलावों, विशेषकर डिजिटल प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र के कारण फोरेंसिक विज्ञान विशेषज्ञों की क्षमताएं बढ़ रही हैं, लेकिन साथ ही, अपराधी भी नए तरीके खोज रहे हैं।

जनपद में 1 मार्च से 18 मार्च तक चलाया जाएगा कुष्ठ रोगी खोजी अभियान

अभियान के लिए 2936 टीमों का गठन किया गया

मुजफ्फरनगर। जनपद के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा कल से कुष्ठ रोगी खोजी अभियान चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील तेवतिया ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में कुष्ठ रोगी खोजी अभियान 1 मार्च से 18 मार्च तक चलाया जाएगा, जिसमें आशाएं व अन्य स्वास्थ्यकर्मी घर–घर जाकर सर्वे करेंगे ,जिसके आधार पर कुष्ठ रोगी खोजे जाने का कार्य किया जाएगा, इसके लिए कुल 2936 टीमों का गठन किया गया है ,इन टीमों की मॉनिटरिंग के लिए 589 पर्यवेक्षक इस अभियान की मॉनिटरिंग करेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यदि किसी व्यक्ति के शरीर पर त्वचा के रंग से हल्के या गहरे रंग के दाग धब्बे हो तथा उनमें सुन्नपन हो, हाथ या पैरों की नसों में झनझनाहट हो, हाथों की हथेलियां या पैरो के तलवे में सुन्नपन हो, निशान हो ,यह सब कुष्ठ रोग के लक्षण हो सकते हैं, उन्होंने बताया कि कुष्ठ रोग की जांच एवं दवा एमडीटी सभी सरकारी चिकित्सालय, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में निशुल्क उपलब्ध है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपद के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे कुष्ठ रोगी खोजी अभियान में अपना स्वास्थ्य विभाग को पूर्ण सहयोग दें तथा अगर किसी को कुष्ठ रोग के लक्षण नजर आते हैं, तो वह निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर तुरंत संपर्क करें।

सीएमपी महाविद्यालय में त्रिवेणी का संस्कृत प्रतियोगिता आयोजित

प्रयागराज। प्रतिवर्ष की भांति संस्कृत विभाग, सी एम पी महाविद्यालय तथा त्रिवेणिका संस्कृत परिषद् के तत्त्वावधान में त्रिवेणिका संस्कृत प्रतियोगिताएं आज दिनांक 28 फरवरी को प्रारंभ हुईं। आज की प्रतियोगिताओं में स्नातक शास्त्रार्थ प्रतियोगिता में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अमित मिश्र ने प्रथम, सीएमपी महाविद्यालय की रितिका ने द्वितीय तथा शिवम पटेल ने तृतीय

स्थान प्राप्त किया। परास्नातक शास्त्रार्थ में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रशांत कुमार सिंह ने प्रथम स्थान, सीएमपी महाविद्यालय की पूर्णिमा केसरवानी ने द्वितीय तथा गरिमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को त्रिवेणिका गौरव सम्मान 2 मार्च को प्रदान किया जाएगा। आज की प्रतियोगिताओं का निर्णय सच्चा बाबा अध्यात्म संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रीकृष्ण त्रिपाठी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ विनोद कुमार, डॉ कल्पना कुमारी तथा रजनी गोस्वामी , एडीसी की प्रोफेसर अर्चना सिंह, राज्य विश्वविद्यालय के डॉ प्रवीण द्विवेदी के अतिरिक्त डॉ प्रियंका सिंह, डॉ भरत कुमार, डॉ निशा खन्ना, डॉ सौम्या कृष्णा, डॉ प्रमा द्विवेदी आदि ने किया। अतिथियों का स्वागत विभाग संयोजक प्रोफेसर सुरेंद्र पाल सिंह ने किया तथा प्रतियोगिताओं का संचालन डॉ मनोज कुमार एवं डॉ विजय बहादुर ने किया। प्रतियोगिताओं का समापन 2 मार्च को होगा। साथ ही कल संस्कृत विभाग, सीएमपी महाविद्यालय द्वारा संस्कृत नाटक प्रतिमानाटकम् का 2रू00 बजे महाविद्यालय के प्रेक्षाग्रह में मंचन किया जाएगा।

गुटखे से शुरू हुआ विवाद एसिड अटैक पर खत्म, मारपीट के बाद हमला, चार झुलसे

प्रयागराज। प्रयागराज में नैनी थाना क्षेत्र के कॉटन मिल तिराहे के समीप गुरुवार की रात लगभग पौने नौ बजे मामूली विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान एक पक्ष की ओर से एसिड फेंका गया। इससे दूसरे पक्ष की दो महिला सहित चार लोग आंशिक रूप से झुलस गए। घटना की वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। पुलिस दोनों पक्ष को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी है। कॉटन मिल के समीप प्रमोद केसरवानी का बेटा वेदांत गुरुवार की रात पड़ोस के एक जनरल स्टोर की दुकान पर गुटखा खरीदने गया था। इसी बीच दोनों में किसी बात को लेकर बहस हो गई। कहासुनी के बीच दोनों पक्ष के परिजन एक दूसरे पर टूट पड़े। दोनों पक्ष के बीच सड़क पर मारपीट होने से राहगीरों व आस–पास के लोगों में खलबली मच गई। आरोप है कि इसी बीच एक पक्ष बोतल में तेजाब लेकर आया और दूसरे पक्ष के लोगों पर फेंकने लगा। तेजाब के छींटे पड़ने से वेदांत के चाचा अनुज केसरवानी व मनोज केसरवानी, मां विनिता व चाची ममता झुलस गए। थाना प्रभारी वैभव सिंह ने बताया कि दोनों पक्ष को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अभी किसी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं मिली है। पाइप फैक्टरी में पार्टनशिप का फर्जी एग्रीमेंट बनाकर 31.98 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि पीड़ित ने जब आरोपी से रुपये वापस मांगा, तो उस पर तमंचे से फायर कर दिया। सौभाग्य से गोली सिर के ऊपर से गुजर गई। जार्जटाउन की पुलिस ने अश्वनी सिंह की तहरीर पर मुख्य आरोपी सहित नौ लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी अभिषेक सिंह ने बताया कि अश्वनी सिंह की तहरीर पर सत्यप्रकाश सिंह सहित उसके साथी कुलदीप वर्मा, खालिद, शिवदत्त शुक्ला, राहुल वर्मा, प्रवेश उपाध्याय, सतीश गौतम, अजय मिश्रा व रामबाबू पाल के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना की जा रही है

महाकुंभ में स्नान करने से चूके तो घर बैठे मिलेगा जल, 75 जिलों में संगम का जल पहुंचाएगा दमकल विभाग

प्रयागराज। महाकुंभ में 66.30 लाख श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। इसके बावजूद कई लोग संगम में डुबकी लगाने नहीं आ सके हैं। हालांकि वंचित लोगों तक अग्निशमन विभाग अब संगम का पवित्र जल पहुंचाने का काम करेगा। एडीजी फायर पद्मजा चौहान ने सीएफओ कुम्भ प्रमोद शर्मा को निर्देश भी जारी कर दिया है।

सिविल लाइंस रोडवेज बस अड्डा 50 दिन बाद खुला, बसों का आवागमन हुआ शुरू

प्रयागराज। महाकुंभ बीतने के बाद करीब 50 दिन बाद सिविल लाइंस रोडवेज बस अड्डे को खोला दिया गया है। शुक्रवार से अब यहीं से बसों का आवागमन शुरू हो गया है।

महाकुंभ बीतने के बाद करीब 50 दिन बाद सिविल लाइंस रोडवेज बस अड्डे को खोला दिया गया है। शुक्रवार से अब यहीं से बसों का आवागमन शुरू हो गया है। भीड़ के चलते सभी बस अड्डे को शहर के बाहर अस्थायी बस स्टैंड में शिफ्ट कर दिया गया था। वाराणसी, जौनपुर, गोरखपुर, मऊ, दोहरीघाट, गाजीपुर, आजमगढ़ सहित इस रूट की सभी बसों को झूंसी स्थिति अस्थायी बस स्टैंड पर शिफ्ट कर दिया गया था।

बसों का संचालन अंदावा से किया जा रहा था। यहां से शटल बसों के माध्यम से श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र तक लाया जाता था। इसी तरह जीरो रोड बस अड्डे से संचालित होने वाली चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, ललितपुर, सोनभद्र आदि रूट की बसों को नैनी से और कानपुर, फतेहपुर, कौशांबी की बसों को नेहरू पार्क धूमनगंज, लखनऊ, प्रतापगढ़, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, सुल्तानपुर आदि रूट की बसों का संचालन फाफामऊ और मलाका से संचालित किया जाता था।

महाकुंभ बीतने के बाद सभी बसों को फिर स्थायी बस अड्डों पर शिफ्ट कर दिया गया है। अब यहीं से यात्रियों को गंतव्य स्थान के लिए सरकारी बसें मिलेंगी।

सिविल लाइंस रोडवेज शुक्रवार से खुल गया। पहले दिन यहां पर काफी कम भीड़ दिखी। शहर में भी आवागमन की स्थिति सामान्य हो गई है।

संगम को बाय-बाय...2027 में मिलेंगे हर की पैड़ी पर, हरिद्वार में पहली बार बसेंगे अखाड़े

प्रयागराज। हर की पैड़ी पर दिव्य–भव्य–सुरक्षित अर्धकुंभ के नए संकल्पों के साथ संगम पर समाज और राष्ट्र की खुशहाली की कामना कर बृहस्पतिवार को संतों–भक्तों ने दुनिया के सबसे बड़े मानव समागम से विदाई ली। हर की पैड़ी पर दिव्य–भव्य–सुरक्षित अर्धकुंभ के नए संकल्पों के साथ संगम पर समाज और राष्ट्र की खुशहाली की कामना कर बृहस्पतिवार को संतों–भक्तों ने दुनिया के सबसे बड़े मानव समागम से विदाई ली। अब छह मार्च 2027 में हरिद्वार में अर्धकुंभ लगेगा। वहीं, 17 जुलाई 2027 को नासिक में कुंभ और 2028 में उज्जैन में पूर्ण कुंभ होगा।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने सभी 13 अखाडों के साथ हरिद्वार में छावनी प्रवेश और अमृत स्नानों की तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुखिया महंतों, सचिवों और धर्मध्वजा रक्षकों का मनोनयन भी शुरू हो गया है। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार के अध र्किुंभ में पहली बार अखाड़ों, नागा संन्यासियों के छावनी प्रवेश के साथ ही अमृत स्नान का निर्णय लिया है।

उत्तराखंड के सीएम धामी ने अखाड़ों को भेजा न्योता

पुष्कर ने अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी और महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि को वहां अखाड़ों को बसाने का न्योता भेज दिया है। मनसा देवी ट्रस्ट और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने बताया कि सीएम ध ाामी का न्योता मिल गया है। श्रीपंच दशनाम जूना, निरंजनी, अटल, आनंद, अग्नि अखाड़े के संतों के अलावा बैरागी व उदासी परंपरा के अखाड़ों के साथ हरिद्वार अर्धकुंभ की बसावट का खाका खींच दिया गया है।

पहला अमृत स्नान महाशिवरात्रि पर छह मार्च 2027 को होने के साथ ही हरिद्वार में अर्धकुंभ का शुभारंभ होगा। आखिरी अमृत स्नान 14 अप्रैल को होगा। हरिद्वार में भी सबसे पहले महानिर्वाणी अखाड़ा अमृत स्नान के लिए जाएगा। इसी तरह सबसे पहले छावनी प्रवेश जूना अखाड़े के नागा संन्यासी करेंगे। अगला अर्धकुंभ मार्च 2027 में हरिद्वार में लगेगा। पहली बार अखाड़ों की हरिद्वार के अध र्किुंभ में बसावट कराने की उत्तराखंड सरकार ने तैयारी की है। सीएम पुष्कर सिंह धामी की ओर से संतों को न्योता मिलने के बाद छावनी प्रवेश और अमृत स्नान की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। – श्रीमहंत रवींद्र पुरी, अध्यक्ष अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद

जितने यात्री आते हैं एक वर्ष में उतने आ गए महाकुंभ में, देश के व्यस्ततम एयरपोर्ट में शामिल

प्रयागराज। महाकुंभ के मौके पर प्रयागराज एयरपोर्ट में देश के सर्वाधिक 20 व्यस्तम एयरपोर्ट में शामिल हो गया। यहां 11 जनवरी से 26 फरवरी की अवधि में रिकार्ड 5.59 लाख यात्रियों की आवाजाही हुई।

महाकुंभ के मौके पर प्रयागराज एयरपोर्ट में देश के सर्वाधिक 20 व्यस्तम एयरपोर्ट में शामिल हो गया। यहां 11 जनवरी से 26 फरवरी की अवधि में रिकार्ड 5.59 लाख यात्रियों की आवाजाही हुई। इस दौरान यहां 3350 शेड्यूल और 1775 नॉन शेड्यूल विमानों का आवागमन हुआ। खास बात यह रही कि प्रयागराज एयरपोर्ट के निर्माण के बाद जितने यात्रियों का आवागमन यहां वर्ष भर में होता है उसे कहीं ज्यादा यहां महाकुंभ के मौके पर आए और गए।एक जनवरी 2019 से शुरू हुए प्रयागराज एयरपोर्ट में 31 दिसंबर 2024 तक औसतन 4.90 लाख यात्रियों का सालाना आवागमन यहां विमानों से हुआ।

उसकी तुलना महाकुंभ मेले में आने वाले यात्रियों से की जाए तो वह कहीं ज्यादा बैठती है। महाकुंभ के दौरान 11 जनवरी से 26 फरवरी तक यहां पांच लाख 59 हजार 843 यात्रियों का आवागमन हुआ। यहां जनवरी माह की तुलना में फरवरी माह में आने वाले यात्रियों की संख्या कहीं ज्यादा रही। फरवरी माह में 01 से 26 तक 4.53 यात्रियों का विमानों से आवागमन हो गया। महाकुंभ के अंतिम यानी महाशिवरात्रि पर 22888 यात्रियों का कुल 130 विमानों से आवागमन हुआ।

उधर नॉन शेड्यूल या चार्टर विमानों की बात करें तो महाकुंभ में 11 जनवरी से 26 फरवरी के मध्य 1775 विमानों से 5356 यात्रियों का आवागमन हुआ। महाकुंभ के दौरान 25 फरवरी को प्रयागराज एयरपोर्ट प्रदेश में सर्वाधिक यात्रियों एवं विमानों की आवाजाही वाला एयरपोर्ट भी बना। इस दौरान यहां 166 शेड्यूल और 96 नॉन शेड्यूल विमानों से 27673 यात्रियों की आवाजाही हुई। 25 को लखनऊ एयरपोर्ट में 22 हजार तो वाराणसी में तकरीबन 15 हजार यात्रियों की ही आवाजाही हुई थी।

'प्रयागराज एयरपोर्ट में महाकुंभ के दौरान 5.59 लाख यात्रियों का आवागमन हुआ। यहां यात्रियों के तमाम इंतजाम किए गए। टर्मिनल में भीड़ बढ़ी तो बाहर एक बड़ा जर्मन हैंगर पंडाल लगाया गया।' – मुकेश कुमार उपाध्याय, निदेशक, प्रयागराज एयरपोर्ट।

महाकुंभ समापन के बाद भी अपनों को खोज रहे, संगम तट पर मिलने की आस में रुके हैं परिजन

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 के समापन के बाद भी संगम तट पर अपनों की तलाश जारी है। कई लोग अपने बिछड़े परिजनों की तलाश में खोया–पाया केंद्र के चक्कर लगा रहे हैं, तो कुछ परिजन शिविर में कुछ डेरा डाले हुए हैं। रायपुर छत्तीसगढ़ के 61 वर्षीय बृजलाल चौहान पत्नी की तलाश में दो दिन से भूल–भटके शिविर में हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को अरैल घाट पर स्नान किया। बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन करने के बाद रेलवे स्टेशन जा रहे थे कि उनकी पत्नी जंगी देवी बिछड़ गई। वहीं, मुजफ्फरपुर धरकरी बिहार के कपलेश्वर साहनी अपने साढ़ू हरिन्द्र साहनी के साथ केंद्र पर अपनी सास कृष्णा देवी को खोजते दिखाई दिए। उन्होंने खोया पाया केंद्र पर भी रजिस्ट्रेशन करवाया। नेपाल के बांके जिला के मनोज थारू अपने पिता जगजन्नन थारू को खोजने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि 25 फरवरी को वह गांव से एक टोली के साथ संगम स्नान को आए थे। वहीं सप्तरी नेपाल के सीताराम शाह 55 वर्षीय पत्नी बिंदी की तलाश में केंद्र पर मायूस दिखाई दिए। जिला आरा कर्जा बिहार की 84 वर्षीय पार्वती पिछले 14 दिनों से भूले–भटके शिविर में हैं। पार्वती ने बताया कि 9 फरवरी को घर से दो लोगों के साथ संगम स्नान करने आई थीं।

पाइप फैक्ट्री में पार्टनशिप के नाम पर 31.98 लाख रुपये की ठगी, वापस मांगने पर झोंका फायर

प्रयागराज। पाइप फक्ट्री में पार्टनशिप की फर्जी एग्रीमेंट बनाकर 31.98 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि पीड़ित ने जब आरोपी से रुपये वापस मांगा, तो उस पर तमंचे से फायर झोंक दिया। सौभाग्य से गोली सिर के ऊपर से गुजर गई। जार्जटाउन की पुलिस ने अश्वनी सिंह की तहरीर पर मुख्य आरोपी सहित नौ लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। जार्जटाउन निवासी अश्वनी सिंह की तहरीर के अनुसार, कुछ महीने पहले मित्र रंगबली सिंह के माध्यम से अल्लापुर निवासी सतयप्रकाश सिंह से मुलाकात हुई थी। सत्यप्रकाश ने झांसे लेकर रुपये की कमी होने से उसकी एमजी रोड पर पाइप की फैक्ट्री बंद होने की जानकारी दी। साथ ही फैक्ट्री में पार्टरशिप करने पर आधा लाभांश देने की बात कही। उस पर भरोसा कर अश्वनी सिंह ने 31 लाख 98 हजार 441 रुपये दिए। इसके एवज में सत्यप्रकाश ने एग्रीमेंट भी बनवाया। हालांकि कई महीने बाद भी कोई लाभांश नहीं मिलने पर अश्वनी सिंह ने सच्चाई का पता किया, तो फैक्ट्री सत्यप्रकाश सिंह नहीं बल्कि दूसरे फर्म के नाम पर रजिस्ट्री मिली। सत्यप्रकाश उस फैक्ट्री में पहले काम करता था। जिसे गबन करने के आरोप में काम से निकाला जा चुका था। आरोप है कि बीते छह जनवरी को अश्वनी सिंह जब अपने रुपये वापस मांगने गया, तो उस पर सत्यप्रकाश सिंह ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर मारपीट की। यहां तक कि जान से मारने की धमकी देते हुए तमंचे से फायर कर दिया। थाना प्रभारी अभिषेक सिंह ने बताया कि अश्वनी सिंह की तहरीर पर सत्यप्रकाश सिंह सहित उसके साथी कुलदीप वर्मा, खालिद, शिवदत्त शुक्ला, राहुल वर्मा, प्रवेश उपाध्याय, सतीश गौतम, अजय मिश्रा व रामबाबू पाल के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना की जा रही है।

स्नानार्थियों के आने का सिलसिला जारी, खूब लगाई डुबकी

प्रयागराज। महाशिवरात्रि के साथ ही महाकुम्भ का समापन हो चुका है, लेकिन इस बार इतना अधिक प्रचार हुआ कि संगम पर श्रद्धालुओं का जमावड़ा शुक्रवार को भी लगा। हालांकि हालात

महाकुम्भ जैसे नहीं हैं, लेकिन सामान्य दिनों से अधिक श्रद्धालु संगम तट पहुंचे। एक फर्क था कि शुक्रवार को किसी को रोका नहीं गया। वाहन हनुमान मंदिर के आगे तक पहुंचे और लोगों ने स्नान किया। अफसरों का कहना है कि अभी कुछ दिन ऐसे ही श्रद्धालु आएंगे। आमतौर पर सामान्य दिनों में संगम तट पर रोजाना 25 से 30 हजार श्रद्धालु स्नान के लि आते हैं। लेकिन शिवरात्रि के बार भी लाखों का मजमा लग रहा है।

दो मार्च को होगा 11 दिव्यांग बच्चियों का विवाह

प्रयागराज। अनाम स्नेह परिवार, लोक सेवक मंडल व अखिल भारतीय महिला परिषद की ओर से दो मार्च को दिव्यांगजन स्वाभिमान समारोह व सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन बैंक रोड स्थित राजर्षि टंडन सेवा केंद्र में होने जा रहा है। जिसमें 11 दिव्यांग बच्चियों का विवाह संस्थाओं ने कराने का निर्णय लिया है। आयोजन दोपहर 12 बजे से शुरू होगा। मीडिया प्रभारी रवि शंकर मिश्र ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति विपिन चंद्र दीक्षित होंगे। विशिष्ट अतिथि अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. विनय चंद्र, किन्नर तराना बुआ व पूर्व आयुक्त दिव्यांगजन अखिलेंद्र कुमार रहेंगे। इस दौरान समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए शहर के आठ विशिष्टजनों को सम्मानित भी किया जाएगा।

अब सत्यापन और भुगतान पर दिया जोर

प्रयागराज। महाकुम्भ के समापन के बाद अब संस्थाओं के सत्यापन और एजेंसियों के भुगतान पर जोर है। इस बार महाकुम्भ में लगभग साढ़े तीन हजार नई संस्थाओं ने आवेदन किया था। इसमें से कितनी संस्थाओं ने शिविर लगाए, शिविर जिस उद्देश्य के लिए लगाए वो पूरा हुआ कि नहीं, इसका सत्यापन किया जाएगा। अब तक दो चरण का सत्यापन हो चुका है। आने वाले 10 दिनों में तीसरे चरण का सत्यापन कराकर आगे कार्रवाई की जाएगी। वहीं डीएम महाकुम्भ नगर विजय किरन आनंद ने बताया कि अभी एजेंसियों से बुल मांग लिए गए हैं, जिसका भुगतान भी जल्द सुनिश्चित कराया जाएगा।

छात्रवृत्ति परीक्षा में 14493 मेधावियों को सफलता

प्रयागराज। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना परीक्षा 2025–26 का परिणाम घोषित कर दिया गया है। परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय के सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी के अनुसार परिणाम शुक्रवार दोपहर से दस मार्च तक वेबसाइट www-entdata-co-in पर उपलब्ध होंगे। उत्तर प्रदेश के राजकीय, सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय के स्कूलों में आठवीं में पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं के लिए निर्धारित 15143 सीटों के सापेक्ष 14493 मेधावियों का चयन मेरिट में हुआ है। तमाम कोशिशों के बावजूद 650 सीटें खाली रह गई। दस नवंबर को आयोजित परीक्षा में पंजीकृत 157013 विद्यार्थियों में से 1,23,974 सम्मिलित हुए थे। वैसे तो इनमें से 36042 उत्तीर्ण हैं लेकिन 14493 का ही मेरिट के अनुसार चयन हो सका है। सफल छात्र–छात्राओं को कक्षा नौ से 12 तक प्रति माह एक हजार या प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये पढ़ाई के लिए मिलेंगे। 2024 की छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए पंजीकृत 188227 विद्यार्थियों में से 157622 उपस्थित हुए थे। 2023 में आवेदन करने वाले 1,79,971 विद्यार्थियों में से 1,45,702 परीक्षा में शामिल हुए थे।

महाशिवरात्रि के भक्तों के बीच अजीमा जेहरम्मा सेवा संस्था, द्वारा नाश्ता व पेयजल वितरित

पिठापुरम। महाशिवरात्रि के अवसर पर श्री उमा कुक्कुटेश्वर स्वामी मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को अजीमा जेहरम्मा सेवा संस्था और उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में नाश्ता और पेयजल उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर बोलते हुए संस्था के अध्यक्ष अहमद अलीशा ने कहा कि पादगया क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं को हर प्रकार की सेवा प्रदान करने

के उद्देश्य से 5,000 नाश्ता पैकेट तथा 5,000 स्वच्छ जल के पैकेट वितरित किये गये।उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों से उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट और अजीमा जहरम्मा सेवा संगठन के तत्वावधान में कई सेवा कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। हम इन सेवा कार्यक्रमों द्वारा मानवता की सेवा ही माधव सेवा है की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं । उन्होंने कहा, ष्हम इस संगठन के माध्यम से और भी कई सामाजिक कार्यक्रम करने के लिए तत्पर हैं। इस कार्यक्रम में संगठन के सदस्य श्री हुसैन शाह, खलील शाह, पेदापुडी चंटी समेत ट्रस्ट के अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

ब्रज के पत्रकार 1 मार्च को फूलों से खेलेंगे होली: जिंदल

मथुरा। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट उपज के

तत्त्वाधान में पत्रकार होली मिलन समारोह सामलिया फॉर्म हाउस वृंदावन में शनिवार को सायं 3 बजे से आयोजित किया जाएगा। उपज के मथुरा जिला अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल ने बताया कि कार्यक्रम में ब्रज के कलाकार होली के रसिया और कविताओं से अपना जलवा बिखरेंगे। होली मिलन समारोह में सभी ब्रज के सभी पत्रकारों का सम्मान किया जाएगा और फूलों से होली खेली जाएगी। सामलिया फॉर्म हाउस के चेयर मेन ठाकुर यशवीर सिंह राघव सभी अतिथियों और पत्रकारों का सम्मान करेंगे।

परीक्षा कक्ष का निरीक्षण करते हुए अधिकारी

लखीमपुर खीरी। गुरुवार 27 मार्च से प्रदेश में संस्कृत शिक्षा परिषद लखनऊ द्वारा संचालित परीक्षा 2025 का आगाज हो गया है । ये परीक्षाएं 12 मार्च तक चलेंगी । लखीमपुर खीरी में उक्त परीक्षाएं डा. भीमराव अम्बेडकर इण्टर कॉलेज कमलापुर केन्द्र पर आयोजित कराई जा रही हैं । केन्द्र व्यवस्थापक परिक्रमा प्रसाद

ने बताया कि पहले दिन परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। जिला विद्यालय निरीक्षक डा महेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व वाले सचल दल ने परीक्षाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद लखनऊ द्वारा आयोजित पूर्व मध्यमा तथा उत्तर मध्यमा प्रथम तथा द्वितीय वर्ष परीक्षा 2025 हेतु परीक्षार्थी जनपद के सातों संस्कृत विद्यालयों से प्रतिभाग कर रहे हैं । जिला विद्यालय निरीक्षक डा महेन्द्र प्रताप सिंह ने इस संवाददाता को बताया कि इस वर्ष संस्कृत शिक्षा परिषद की परीक्षाएं सी सी टी वी कैमरे की निगरानी में ठीक यू पी बोर्ड की तर्ज पर कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि नकल विहीन परीक्षा कराना सरकार तथा विभाग की प्राथमिकता है जिसके लिए शिक्षा विभाग कटिबद्ध है।

अस्त हो गया सूरज, फिर भी हरदम चमका करता है ...

चन्द्रशेखर आजाद को नमन किया गया

विश्वनाथगंज। अमर बलिदानी चंद्रशेखर आजाद की 84वीं पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी एवम कवि सम्मेलन सहेरूआ विश्वनाथगंज में सम्पन्न हुई, जिसमें साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं से श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा अमर बलिदानी चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन के साथ हुआ।चंद्रशेखर शुक्ल विकास ने सरस्वती वंदना से कवि सम्मेलन

की शुरुआत की उसके बाद अनूप त्रिपाठी ने कोशिश दोनों तरफ से हो तो निखर जाते हैं रिश्ते , एक तरफा कोशिशो से बिखर जाते है रिश्ते से प्रेम सद्भाव संदेश दिया, अर्जुन साहू ने अपने हास्य की रचनाओं से लोटपोट कराया ,आचार्य विनोद दुबे ने पढ़ा मैं भारत हूं मैं भारत हूं मुख्य अतिथि प्रेम कुमार त्रिपाठी ने कहा कि अस्त हो गया सूरज फिर भी हरदम चमका करता है , हर सीने की धड़कन बनकर टप टप टपका करता है ।विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय परशुराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला ने कहा कि आजाद जैसे बलिदानी की बदौलत ही हम खुली हवा में सांस ले पा रहे हैं ,समाज सेवी संजय शुक्ल ने कहा कि बलिदानी आजाद से अंग्रेज थर्राते थे ।इसके अलावा रंजीत गुप्ता राही ,अंकित तिवारी ने भी देश प्रेम से और रचनाएं पढ़कर आजाद को नमन किया। संचालन हरिवंश शुक्ल शौर्य अध्यक्षता राजेश दुबे स्वागत कल्पनाथ मिश्र,आभार प्रदर्शन संयोजक रंगनाथ मिश्र ने जताया। इस अवसर पर गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

डॉ. उमर अली शाह की 140वीं जयंती समारोह आयोजित

काकीनाडा। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के काकीनाडा आश्रम द्वारा काकीनाडा बोट क्लब में कवि शेखर डॉ. उमर अली शाह की प्रतिमा के निकट शुक्रवार कोआयोजित 140वीं जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित श्री अहमद अलीशा ने कहा कि उमर अली शाह बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे ।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री अहमद अली शाह ने कहा कि सामान्यतः यदि कोई व्यक्ति पर्याप्त परिश्रम करे, तो वह अपने चुने हुए क्षेत्र में सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। किसी एक व्यक्ति के लिए विभिन्न क्षेत्रों में निर्विरोध अपना प्रभाव डालना तथा विश्व पर अमिट छाप छोड़ना संभव नहीं है। उन लोगों को हम बहुमुखी प्रतिभावान कहते हैं। उनकी प्रशंसा करते हैं, और यहां तक घ्कि उन्हें रोल मॉडल के रूप में अपनाते हैं! वे महान कवि, शतायु, दार्शनिक, समाज सुधारक, स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिक नेता और सबसे बढ़कर, श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के छठे प्रमुख रहे हैं, जिसका इतिहास गौरवशाली और सुप्रसिद्ध है। उनकी मातृभाषा तेलुगु नहीं है। लेकिन उन्होंने तेलुगु में एक अद्भुत साहित्यिक थाती देकर एक कालजयी कवि के रूप में ख्याति प्राप्त की।

उमर अली शाह पब्लिक स्कूल के संवाददाता श्री हुसैन शाह ने बतौर विशिष्ट अतिथि अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि

एक आध्यात्मिक संस्था के प्रमुख होने के बावजूद, उमर अली शाह एक समाज सुधारक थे। जो सिर्फ आध्यात्मिक सिद्धांतों पर ही नहीं टिके, बल्कि उन्होंने सामाजिक बुराइयों के

खिलाफ भी अपनी कलम को कोड़े की तरह चलाया। उन्होंने कहा कि उमर अली शाह एक महान वक्ता थे, जिन्होंने स्वतंत्रता सेनानी के रूप में राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लिया और विभिन्न मंचों पर अपने ओजस्वी भाषणों से सभी भारतीयों को एकता के साथ भारत माता की गुलामी की जंजीरों को तोड़ने की भावना से जागृत और संवेदनशील बनाया।

पीठम के संयोजक श्री पेरूरी सुरीबाबू ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि उमर अली शाह सर्वश्रेष्ठ राजनीतिक नेताओं में से एक थे, जिन्होंने भारतीय विधान सभा में जनता के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए जनता की ओर से लड़ाई लड़ी तथा ब्रिटिश सरकार की खामियों को उजागर किया।

सेवानिवृत्त आरटीओ श्री रामचंद्र राव ने कहा कि डॉ. उमर अली शाह ने आम जनता के लिए बहुत कुछ किया है। उनकी सेवाएं त्रुटिहीन हैं। उनकी कीर्ति अमर है। उनकी छवि भारत के लिए प्रेरणादायी है। वे एक प्रगतिशील लेखक, प्रगति के मार्गदर्शक, महान वक्ता, मानवतावादी, दर्शनशास्त्र के पैगम्बर, पीठ के पीठाधिपति तथा बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। प्रसिद्ध पैरोडी गायक श्री बाला राम कृष्ण द्वारा गाए गए गीत ने श्रोताओं का मनोरंजन किया। अहमद अली शाह ने अतिथियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर केक काटकर बच्चों में बांटा गया।

उमर अलीशा उन धन्य कवियों और लेखकों में एक विशेष स्थान रखते हैं जिन्होंने अज्ञानता, अंधविश्वास, धार्मिक अज्ञानता, गरीबी, गुलामी और अशिक्षा जैसी सामाजिक बुराइयों से ग्रस्त समाज को सुधारने के लिए असाधारण और सरल प्रयास किए हैं। ऐसे अनोखे व्यक्ति उमर अलीशा का जीवन सभी के लिए एक बेहतरीन उदाहरण है। उनकी रचनाओं को 7वीं और 10वीं कक्षा की पाठ्यपुस्तकों में पाठ्यक्रम के रूप में शामिल किया गया है, जिसका उद्देश्य यह है कि उनकी रचनाएं सभी में देशभक्ति, धार्मिक विचार और दार्शनिक ज्ञान पैदा करेंगी। ऐसे प्रतिभाशाली और बहुमुखी व्यक्तित्व वाले उमर अलीशा का जन्म 28 फरवरी 1885 को हुआ था। इस अवसर पर सैकड़ों सदस्यों ने उनकी 140वीं जयंती समारोह में भाग लिया। विशिष्ट सेवाएं प्रदान करने वालों को अनाज के पैकेट भेंट किए गए। यह समारोह आरती के साथ समाप्त हुई। इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य श्री खंडवल्ली वीरभद्रम , स्थानीय संयोजक श्रीमती मंदा येल्लमम्बा, श्रीमती काकीनाडा लक्ष्मी, श्रीमती रेड्डी सूर्या प्रभावती, श्रीमती वानुमु मणि, श्रीमती बादम लक्ष्मी कुमारी, श्री रहमान और अन्य ने भाग लिया।

भाजपाई सत्ता को बेदखल करेगा समाजवादी पार्टी पीडीए आंदोलन- प्रभा यादव

'लोकसभा की तरह विधानसभा में भी पीडीए ताकत सपा को जिताएगी-सुषमा सैनी'

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर समाजवादी पीडीए चर्चा कार्यक्रम एक माह से लगातार जारी है। समाजवादी महिला सभा जिला अध्यक्ष सुषमा सैनी द्वारा सपा कार्यालय पर आयोजित पीडीए चर्चा कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष जिया चौधरी एडवोकेट व संचालन समाजवादी पार्टी जिला मीडिया प्रभारी साजिद हसन ने किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में जनपद भर से समाजवादी पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आगरा से पूर्व जिला अध्यक्ष तथा कार्यक्रम प्रभारी प्रभा यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा की भाजपा सरकार में महंगाई व बेरोजगारी का सबसे बड़ा दंश महिलाओं को झेलना पड़ा है। घर को चलाने की प्रमुख जिम्मेदारी निभाने वाली महिलाओं को उनके बेटे भाई तथा पति की बेरोजगारी ने भी घर चलाना मुश्किल कर दिया है महिलाओं के लिए समाजवादी पार्टी सरकार की अनेक योजनाओं को बंद करके भाजपा ने महिलाओं को सुविधाओ से वंचित किया है। समाजवादी पार्टी का पीडीए आंदोलन भाजपा को सत्ता से बेदखल कर देगा।

समाजवादी महिला सभा जिलाध्यक्ष सुषमा सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि पीडीए से भेदभाव अत्याचार तथा अधिकारों का हनन आरक्षण संविधान से छेड़छाड़ भाजपा सरकार की विचारधारा बन गई है। महिलाओं के ऊपर भाजपा सरकार में अत्याचार लगातार बढ़ा है जिस तरह समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में पीडीए की ताकत से यूपी में सबसे बड़ी पार्टी तथा देश में तीसरी बड़ी ताकत बनने का काम किया पीडीए की ताकत विधानसभा चुनाव में भी पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। कार्यक्रम को समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष जिया चौधरी एडवोकेट समाजवादी पार्टी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्यामलाल बच्ची सैनी समाजवादी पार्टी जिला महासचिव चौधरी विकिल गोल्डी अहलावत सपा नेता साजिद हसन समाजवादी महिला सभा महानगर अध्यक्ष हेमानी सिंह सुषमा रानी ममता सैनी किरण सेन सहित अन्य समाजवादी पार्टी पदाधिकारियो ने संबोधित किया।

सामूहिक राष्ट्रगान के अर्धशतकीय प्रोग्राम में मनीष चौधरी ने डीएम, एसएसपी को दिया निमंत्रण

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने राष्ट्रवाद और सामाजिक एकता की मुहिम के तहत चलाये जा रहे संस्था के सामूहिक राष्ट्रगान के अर्धशतकीय प्रोग्राम में मुख्य रूप में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और एसएसपी मुजफ्फरनगर को छात्र–छात्राओं वह युवाओं को मार्गदर्शन हेतु निमंत्रण दिया है। जिलाधिकारी ने संस्था के इस कार्य की सराहना करते हुए एक मार्च शनिवार के दिन प्रोग्राम में आने का भरोसा दिया है। इसके लिए प्रमुख समाजसेवी ने उनका आभार व्यक्त किया।

मनीष चौधरी ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि उनके द्वारा अपनी संस्था के लोगों के साथ मिलकर सामाजिक एकता, सर्वधर्म सम्भाव की भावना और राष्ट्र के प्रति दायित्वों के लिए सभी को जागरुक करने के उद्देश्य से करीब चार साल पहले प्रत्येक माह की 1 तारीख को सामूहिक राष्ट्रगान कार्यक्रम की शुरूआत की। जब हमने अपना पहला मासिक सामूहिक राष्ट्रगान किया तो हमें यह अंदाजा नहीं था कि हमें इसके लिए सामाजिक तौर पर सभी वर्गों से इतना सकारात्मक सहयोग और समर्थन मिल पायेगा। शनिवार एक मार्च को संस्था अपने राष्ट्र और समाज को समर्पित इस सामूहिक राष्ट्रगान कार्यक्रम का अर्धशतक पूरा कर रही है, यानि शनिवार को जीआईसी मैदान पर स्थित शहीद स्मारक पार्क पर हम अपना 50वां सामूहिक राष्ट्रगान करने जा रहे हैं। यह हमारे लिए एक सुखद अवसर है। इसमें हमने सामाजिक संगठनों और आम लोगों को आमंत्रित किया है। इसके लिए हमने संस्था के अन्य मुख्य पदाधिकारियों केपी चौधरी और फैजुर रहमान के साथ जिलाधिकारी उमेश मिश्रा व एसएसपी मुजफ्फरनगर से उनके

कार्यालय में पहुंचकर मुलाकात की। उनको अपने कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया और शनिवार को 50वें मासिक सामूहिक राष्ट्रगान कार्यक्रम में बतौर अतिथि आमंत्रित किया है। उनको हमने राष्ट्रहित के कार्य में मार्गदर्शन देने के लिए निमंत्रण पत्र दिया और उन्होंने भी संस्था के कार्य को सराहनीय बताते हुए कार्यक्रम में आने का भरोसा दिया है। उन्होंने बताया कि संस्था का यह 50वां राष्ट्रगान कार्यक्रम देश के अमर शहीदों, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और फौजी भाईयों के समर्पण व बलिदान के लिए समर्पित रहेगा। इसमें ज्यादा से ज्यादा लोगों से शहीदों को नमन करने के लिए आने की अपील की। सुरक्षा की दृष्टि से संबंधित विभाग को सूचना पत्र के माध्यम से कर दी गई है

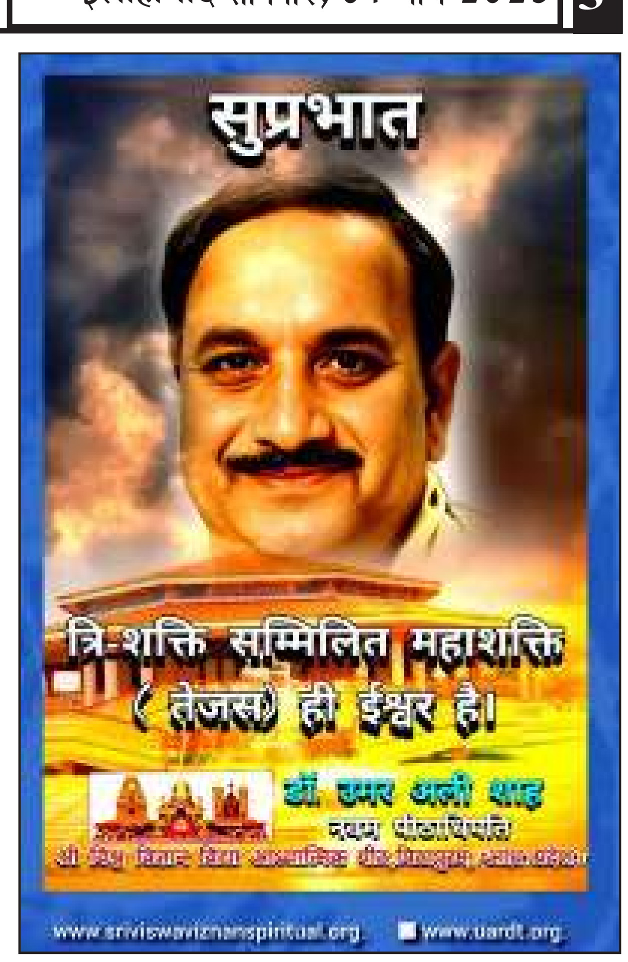

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर किया ई वेस्ट मॉडल प्रदर्शिनी का आयोजन

मुजफ्फरनगर। आज दिनांक 28 फरवरी 2025 के अवसर पर शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय मेरठ में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर ईको क्लब एवं जंतु विज्ञान विभाग द्वारा ई वेस्ट से बने मॉडल की प्रदर्शिनी स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं द्वारा लगाई गईं। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 की थीम शविकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त

बनाना है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन डॉ कुमकुम राजपूत असिस्टेंट प्रोफेसर जंतु विज्ञान विभाग द्वारा किया गया। इसमें 80 छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। 28 फरवरी, 1928 को सर सी वी रमन ने रमन इफेक्ट की खोज से पर्दा उठाया था। आज ही के दिन उन्होंने इस महान नवाचार की घोषणा की थी। हर साल इस महान आविष्कार की याद में 28 फरवरी का दिन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। महान भारतीय वैज्ञानिक डॉ. सीवी रमन की ओर से विज्ञान जगत को दिए गए अनुपम उपहार रमन इफेक्ट (रमन प्रभाव) की सालगिरह के मौके पर साइंस को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। छात्राओं द्वारा ई वेस्ट से ट्री, विंड मिल, इलेक्ट्रिक लिफ्ट, मून, ट्रेक्टर, ग्लोबल वार्मिंग मॉडल, इलेक्ट्रिक अलार्म, फोटो फ्रेम, कूलर, रॉबर्ट, होलोग्राम, लैंप, मकड़ी, वॉटर पार्क, घड़ी, सी डी वॉल हैंगिंग इत्यादि के वर्किंग मॉडल बना कर प्रदर्शिनी लगाई। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो अंजू सिंह ने छात्राओं को इनोवेटिव आइडियाज इस्तेमाल कर वर्किंग मॉडल बनाने की सराहना की। निर्णायक मंडल में डॉ गौरी गोयल की भूमिका सराहनीय रही। इस दिन का मुख्य उद्देश्य युवाओं, खास तौर पर विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति प्रेरित करना तथा लोगों को विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाना है। प्रदर्शिनी में विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय से सभी प्राध्यापक गण उपस्थित रहे एवं छात्राओं के प्रदर्शन की सराहना की।

जनता इंटर कॉलेज भोपा के शिक्षणेत्तर कर्मचारी श्री जोगेन्द्र सिंह 26 वर्षों की शानदार सेवा के बाद सेवानिवृत्त

भोपा। जनता इंटर कॉलेज भोपा के शिक्षणेत्तर कर्मचारी श्री जोगेन्द्र सिंह लगभग 26 वर्षों की शानदार सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गए।इस अवसर पर विद्यालय में की गई उनकी दीर्घकालीन सेवाओं को याद किया गया और परमपिता परमात्मा से उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की गई।' 'श्री जोगेन्द्र सिंह नगर पंचायत भोकरहेडी के मूल निवासी है। विद्यालय में उनकी नियुक्ति अक्टूबर 1999 में शिक्षणेत्तर संवर्ग में हुई थी। उन्होंने लगभग 26 वर्षों के सेवाकाल में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। उनके द्वारा दीर्घकाल तक विद्यालय में की गई सेवाओं को सदैव स्मरण किया जाता रहेगा। विद्यालय परिवार के एक सदस्य के रूप में श्री जोगेन्द्र सिंह अपने मधुर व्यवहार, मृदुल वाणी और विशिष्ट कार्यशैली के कारण सदैव सभी के प्यारे रहें। सभी शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। आधुनिक जीवनशैली और बदलते परिवेश में स्वस्थ शरीर के साथ सेवानिवृत्त होना गौरवशाली क्षण है।हम सबको उनके कृतित्व और व्यक्तित्व से शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। वैसे तो सेवानिवृत्ति विभाग का अनिवार्य हिस्सा है। विभागीय नियमानुसार नियुक्ततिथि के साथ ही सेवानिवृत्ति तिथि भी पूर्व में ही निर्धारित हो जाती है लेकिन काफी लम्बे समय तक एक परिवार के रूप में साथ रहने से जो अटूट संबंध और स्नेह पैदा होता है सेवानिवृत्ति पर थोड़ा मन उद्वेलित होता है। सेवानिवृत्ति हर्ष और विषाद का मिला–जुला संगम है। लेकिन सेवानिवृत्ति विभागीय नियमावली का अनिवार्य अंग है। आज जीव विज्ञान प्रयोगशाला में सूक्ष्म जलपान का आयोजन किया गया।इस अवसर पर केन्द्र व्यवथापक श्री संजय कुमार, अतिरिक्त केन्द्र व्यवथापक श्री मदनलाल, स्टैटिक मजिस्ट्रेट श्री अमरवीर सहित बोर्ड परीक्षा ड्यूटी में लगे शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी मौजूद रहे।'

सम्पादकीय.......

सेहत का पर्व

जब कहा जाता है कि भारत पर्व व त्योहारों का देश है, तो उसकी ठोस वजह है। जब मौसम व प्रकृति अपना रूप बदल रहे होते हैं तो इनके संधिकाल पर ये पर्व–त्योहार दस्तक देते हैं। हमें सचेत कर रहे होते हैं कि बदलते मौसम के अनुरूप अपना खान–पान, रहन–सहन और विचार–वाणी बदलिए। अध्यात्म हमें वास्तव में मानवीय बनने की प्रेरणा देता है ताकि हम आत्मकेंद्रित होने के बजाय प्रकृति, समाज, कुदरत की रचनाओं, वंचितों व जरूरतमंदों की भी फिक्र करें। शिवमय हुए देश में पर्व के मर्म को महसूस किया जा सकता है। सूर्योदय के साथ दैनिक कर्मों से निवृत्त लोग आस्थास्थलों की तरफ उमड़ते देखे जाते हैं। सूर्य के उगने से पहले उठना अपने आप में सेहत की कुंजी है। शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी–लंबी कतारें हममें धैर्य भर देती हैं, जो बताता है कि यदि हम नियम व कायदे के अनुरूप अपनी आस्था की अभिव्यक्ति करें तो तीर्थस्थल भगदड़ की त्रासदियों से सदा–सदा के लिए मुक्त हो सकते हैं। दरअसल, चाहे हमारे तीर्थ हों या देवालय, हमारे पूर्वजों ने उन्हें प्रकृति की सुषमा और जल स्रोतों के करीब बनाया है। जहां हम दैनिक जीवन की एकरसता से मुक्त होकर प्रकृति के सान्निध्य में सुकून महसूस कर सकें। हमारे बड़े तीर्थों के दुर्गम व पहाड़ी इलाकों में स्थित होने का अर्थ भी यही है कि हम शरीर को गतिशील बनाएं। हम पसीना बहाएं, जो अपने साथ शरीर के विजातीय द्रव्यों को बाहर निकालकर हमें स्वस्थ बनाता है। सही मायनों में हमारे पर्व–त्योहार समाज के लिए सेफ्टी–वॉल का काम ही करते हैं, भागमभाग के तनाव से मुक्त करते हैं। दफ्तर–परिवार में ऊंच–नीच से उपजी असहज स्थितियों से मुक्त होने का अवसर ये पर्व देते हैं। दरअसल, समय के साथ जीवनशैली में आए बदलावों संग न केवल हमारा व्यवहार कृत्रिम हुआ है बल्कि हमारा खानपान भी अपना मूल स्वरूप खो चुका है। ऐसे में ये पर्व हमें जीवन की वास्तविकता से रूबरू कराते हैं। कहने को तो हमारे पर्व–त्योहार आस्था व आध्यात्मिक व्यवहार से जुड़े हैं, लेकिन सही मायनों में वे हमारे स्वास्थ्य का संवर्धन कर रहे होते हैं। शिवरात्रि के व्रत में हम बेर आदि उन फलों का सेवन करते हैं, जो बदलते मौसम में हमारी शरीर की जरूरतों को पूरा करते हैं। तमाम लोग मंदिरों के बाहर दूध व फल आदि के लंगर लगाते हैंय जिससे दान देने वाले तो सेवाभाव से अभिभूत होते ही हैं, साथ ही श्रद्धालुओं के साथ ही तमाम गरीबों, जरूरतमंदों व भूखों को भी इससे लाभ मिलता है। ये पर्व हमारी आर्थिकी के लिए भी उत्प्रेरक तत्व हैं। फलों व पर्व से जुड़े सामान की बिक्री खूब होती है। उन लाखों लोगों को आर्थिक लाभ व रोजगार मिलता है, जो धार्मिक स्थलों के बाहर सड़कों पर दुकान लगा रहे होते हैं। इन धार्मिक स्थलों में पहुंचे श्रद्धालुओं में आस्था के चलते सहजता, सरलता, परोपकार आदि मानवीय गुणों की अभिव्यक्ति होती है। जो हममें सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। मंदिर व पूजा–पाठ से जीविका चलाने वालों की आर्थिकी इन पर्वों से समृद्ध होती है। वहीं पर्व–व्रत के धार्मिक–आध्यात्मिक पक्ष के इतर समाज–कल्याण व सेहत से जुड़ा पक्ष भी सशक्त है। सबसे महत्वपूर्ण तो व्रत है। व्रत का एक संपूर्ण विज्ञान है। विडंबना यह है कि हम अपने आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा जैसे सर्वसिद्ध ज्ञान को गंभीरता से नहीं लेते। हाल ही के दिनों में विकसित देशों ने तमाम शोधों के बाद व्रत को दवा की संज्ञा दी है। प्राकृतिक चिकित्सा में व्रत के प्रकार, उसे खोलने में सावधानी व उपचार में उपयोग को लेकर विस्तृत अध्ययन उपलब्ध है, जो बताता है कम खाने से हमारा शरीर का पाचनतंत्र बेहतर ढंग से काम करता है। हम अपेक्षाकृत अधिक स्वस्थ महसूस करते हैं। लेकिन व्रत वाले दिन हम तमाम ऐसे विकल्प तलाश लेते हैं जो सामान्य दिनों के खाने से ज्यादा होता है। सही मायनों में व्रत विशुद्ध शारीरिक स्वास्थ्य की एक स्वयंसिद्ध प्रक्रिया है। हमारे पूर्वजों ने इस धर्म और अध्यात्म से जुड़कर यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि सनातनी सदियों तक व्रत और परंपराओं का पालन करते हुए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकें।

भावी कुम्भ के लिए कई सवाल

डॉ. दीपक पाचपोर

विविधता वाले देश में जिस तरह अनेक पर्व एवं त्यौहार सभी के द्वारा हिल–मिलकर मनाये जाते रहे हैं, कुम्भ भी उनमें से एक है। यह भी अनेकता में एकता का एक उदाहरण रहा है, लेकिन प्रयागराज महाकुम्भ हटकर साबित हुआ है।

पिछले अनेक वर्षों से प्रयागराज, उज्जैन, हरिद्वार एवं नासिक में होने वाले कुम्भ भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक वैभव के आयोजन माने जाते रहे हैं। इन चारों स्थानों पर हर 12 वर्षों में आयोजित होने वाले कुम्भ हिन्दुओं के धार्मिक जीवन में अत्यधिक महत्व रखते हैं। हर धर्मप्राण हिन्दू अपने जीवन में इसमें शामिल होने की इच्छा रखता है। अब तक तो कुम्भ का सरोकार उसके धर्म–पक्ष से था लेकिन 14 जनवरी से प्रारम्भ होकर बुधवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर समाप्त हुआ प्रयागराज का कुम्भ कई अच्छी–बुरी यादें तो छोड़ ही गया है, उससे अनेक ऐसे सवाल भी उठ खड़े हुए हैं जिनका सम्बन्ध देश की धार्मिक व्यवस्था से तो है ही, राजनीति व संस्कृति से भी है। इन सवालों के उत्तर यदि न तलाशे गये तो आने वाले हर कुम्भ के आयोजनों को इन प्रश्नों से जूझना होगा जिससे देश का धर्म प्रभावित होगा, राजनीति व संस्कृति भी प्रभावित होगीय और ख्याल रहे कि ये असर नकारात्मक होंगे। आस्थावान लोग मानते हैं कि कुम्भ हजारों वर्षों से आयोजित होते आये हैं, तो इसका अर्थ यह है कि भारत पर शासन करने वाले अलग–अलग राजवंशों ने इसके आयोजनों में कोई व्यवधान नहीं डाला और न ही मनाही की। इनमें बाहर से आये मुस्लिम शासक भी थे और अंग्रेज भी। इस देश में विभिन्न धर्मों के मानने वाले सदियों से रहते आये हैं जिनके चलते भी कभी कोई दिक्कत नहीं आई। विविधता वाले देश में जिस तरह अनेक पर्व एवं त्यौहार सभी के द्वारा हिल–मिलकर मनाये जाते रहे हैं, कुम्भ भी उनमें से एक है। यह भी अनेकता में एकता का एक उदाहरण रहा है, लेकिन प्रयागराज महाकुम्भ हटकर साबित हुआ है। इस परम्परागत व पौराणिक महत्व के आयोजन को राजनीतिक कब्जे के लिये भी याद किया जायेगा। पहले तो कुछ पंडितों द्वारा ऐलान कराया गया कि इस बार का कुम्भ 144 वर्षों के बाद दुर्लभ संयोग में आया है जिसके कारण इसका विशेष माहात्म्य है। शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी जैसी जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की कमी से जूझ रहे उत्तर प्रदेश सरकार ने लगभग 5500 करोड़ रुपये की भारी–भरकम राशि इसके लिये आवंटित की थी। कुम्भ के बारे में कहा जाता है कि इसमें आने के लिये न कोई किसी को बुलाता है और न ही कोई किसी के बुलावे पर पहुंचता है। हिंदू समाज का यह एक स्वतःस्फूर्त व सामूहिक आयोजन होता है जो साझा विरासत का हिस्सा है। पहली बार बड़े पैमाने पर विज्ञापनों एवं प्रचार माध्यमों के जरिये राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने अपने राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिये बड़ी भीड़ एकत्र करने की योजना बनाई। इसमें जिस तरह से साधु–संतों द्वारा राजनीतिज्ञों को न्योता गया, भगदड़ के बाद भी लोगों पर हैलीकॉप्टरों से पुष्प वर्षा की गयी, वीआईपी के लिये विशेष व्यवस्था तथा आमजनों को गंदे पानी में नहाने व उसका आचमन करने पर मजबूर किया गया, वह भाजपा द्वारा राजनीतिक लाभ लेने के अशोभनीय कृत्य ही कहे जायेंगे (सरकार की ओर से बताया गया था कि 40 करोड़ लोग पहुंचेंगे परन्तु तैयारी 100 करोड़ लोगों के लायक की गयी है। यह दावा 28–29 की रात फेल हो गया जब मौनी अमावस्या के अवसर पर पवित्र स्नान करने के लिये आतुर बड़ी संख्या में लोग बदइंतजामी के कारण कुचले गये। कहा जाता है कि मरने वालों की संख्या घोषित आंकड़ों (30) से कहीं ज्यादा है और बकौल पूर्व सीएम व सांसद अखिलेश यादव भगदड़ एक–दो स्थान पर नहीं बल्कि 4–5 जगहों पर हुई। तुर्रा यह है कि यदि इसके बारे में सवाल किया जाये तो उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसी सनातनी की फेसबुक पर डाली पोस्ट उद्धृत करते हैं कि श्कुम्भ में जिसने जो चाहा उसे वह मिला। गिद्धों को लाशें मिलीं और सुअरों को कीचड़ मिला।य बताया यह भी जाता है कि आज भी कई लोगों के परिजन लापता हैं और माना जाता है कि उनकी लाशें मिलनी अब मुमकिन नहीं। आरोप है कि मुआवजा बचाने के लिये बिना पोस्टमॉर्टम कई लाशें परिजनों के साथ उनके घरों को रवाना कर दी गयीं। भारत में नये साम्प्रदायिक विभाजन का कुरूप चेहरा देखने को मिला जब सनातनियों का कथित रूप से प्रतिनिधित्व करने वाली धर्म संसद एवं कई अखाड़ों ने ऐलान कर दिया कि इसमें मुसलमानों को दुकानें नहीं लगाने दी जायेंगी। पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से भारत इस तरह की मानसिकता से दो–चार हो रहा है। देश को केवल बहुसंख्यकों का निजाम बनाने में विश्वास रखने वाली विचारधाराएं, ताकतें एवं संगठन हालिया दौर में भारत की सारी बुराइयों की जड़ अल्पसंख्यकों, खासकर मुसलिमों को मान रही है। इसी मानसिकता के तहत कहीं मुसलिमों को सोसायटियों में फ्लैट नहीं खरीदने दिये जाते तो कहीं मुसलिम फेरीवाले प्रतिबंधित किये जा रहे हैं। कोरोना फैलाने के लिये जिस कौम को सबसे ज्यादा दोषी माना गया था और जिन्हें यहां दुकानें लगाने को मना किया गया था, उसने अपने घरों व मस्जिदों को बेशक भगदड़ में फंसे लोगों के लिये खोल दिया हो, लेकिन उनके प्रति जहर की मात्रा जरा भी कम होती नजर नहीं आती। यहां से लेकर नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज की ट्रेनों का इंतजार करते लोगों के कारण हुई भगदड़ों के लिये भी इन्हें ही जिम्मेदार मानने की परम्परा सोशल मीडिया पर जारी रही। आशंका है कि यही ट्रेंड आने वाले तमाम कुम्भों में देखने को मिल सकता है। नियमित अंतराल में कहीं न कहीं होने वाले कुम्भ आगे कितना हलाहल उंड़ेलेंगे–इसका अनुमान लगाया जा सकता है।

केवल माया ही महाठगिनी नहीं है

सर्वमित्रा सुरजन

कबीरदास जी ने लिखा–माया महा ठगनी हम जानी,तिरगुन फांस लिए कर डोले बोले मधुरे बानी। अर्थात माया सबसे बड़ी ठगिनी है जिसके बारे में मैं जानता हूं, वह तीन गुणों से युक्त होकर आपको अपने हाथ में फंसाकर घूमती है और मधुरतम वचन बोलती है। संत कबीर ने सांसारिक मोह–माया, लोभ, क्रोध, ईर्ष्या जैसे दुर्गुणों से लोगों को आगाह किया है। सभी धर्मों में इसी तरह का ज्ञान मिलता है, जो इंसानों को पहले से खुद को बेहतर बनाने और अपने साथ–साथ समूचे जीव–जगत के कल्याण के लिए प्रेरित करता है। हिंदू धर्म में महाकुंभ जैसे आयोजन भी इसी मकसद से होते रहे कि व्यक्ति अपने कर्मों के पाप और पुण्य पर विचार करे। डुबकी लगाना केवल पानी में सिर डुबोना नहीं होता, अपने अहंकार को त्याग कर समूचे अस्तित्व को प्राणवायु के बिना दांव पर लगाकर विचार करना होता है कि क्या गलत किया, क्या सही किया और आखिर में जब तक जीवन बचे, तब तक किस तरह खुद का परिष्कार करके जीना है। डुबकी लगाकर बाहर निकलना, नए सिरे से जीवन को पाना है। अगर तमाम दुर्गुणों के साथ डुबकी लगाई और पानी से सिर बाहर निकलने के बाद भी उन्हीं बुराइयों में घिरे रहे तो फिर उसकी सार्थकता ही क्या रहेगी। 14 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में चले महाकुंभ पर विचार करें तो फिर कबीर ही याद आते हैं जिन्होंने माया को महाठगिनी बताया, लेकिन यहां तो आस्था की ठगी करने का ज्वार उमड़ा। सरकार पूरे आयोजन में हर दिन आंकड़े बताती रही कि आज इतने करोड़ लोगों ने स्नान किया, आज इतने करोड़ लोगों के आने का रिकार्ड टूटा। इन आंकड़ों को बताने का आधार क्या रहा, यह अबूझ पहेली है, क्योंकि जिस सरकार ने स्नान करने वालों की गिनती लगा ली, वो यह नहीं बता पाई कि कितनी बार भगदड़ मची और कितने लोग हताहत हुए। जो सरकारी आंकड़े आए हैं, वो भी ठगी की तरफ ही इशारा कर रहे हैं। बहरहाल, भाजपा को राज्य और केंद्र दोनों में इस महाकुंभ के आयोजन से भरपूर फायदा हुआ है, या आगे उसका चुनावी लाभ मिलेगा, इसमें कोई दो राय नहीं है। इस समय देश के माहौल में जिस तरह की धर्मांधता कायम हो चुकी है और उसमें उग्र राष्ट्रवाद का मिश्रण हुआ है, वह सामान्य लोगों को भयभीत कर चुका है। इस बात का एक भयावह उदाहरण महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले से सामने आया, जहां भारत–पाक मैच के दौरान एक व्यक्ति को एक घर से कथित तौर पर देशविरोधी नारे सुनाई दिए। उसने संदेह जताया तो घर में रहने वालों और उसके बीच कहा–सुनी हुई, बात इतनी बिगड़ी कि पुलिस में मामला पहुंचा। अब उस घर में रहने वाले 15 साल के बच्चे को सुधारगृह भेज दिया गया है, और उसके मां–बाप को रविवार को गिरफ्तार कर दो धर्मों में वैमनस्य बढ़ाने, देश की एकता को खतरे में डालने जैसे आरोपों के तहत धाराएं लगाई गई हैं। उनकी कबाड़ की दुकान को निगम ने तोड़ दिया है और इस पूरे मामले पर महायुति के विधायक नीतेश राणे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बाकायदा बधाई भी दी है कि दुकान तोड़कर अच्छा किया। निर्वाचित जनप्रतिनिधि ही जब ऐसा आचरण करने लगें तो फिर उनके अनुयायी भला क्यों पीछे रहेंगे। अभी आरोप सिद्ध नहीं हुए, पता नहीं चला कि वाकई देश के खिलाफ नारा लगा था या नहीं, लेकिन एक बसा–बसाया परिवार उजाड़ दिया गया। इसके बाद भाजपा वसुधैव कुटुम्बकम की बात करती है। श्री मोदी 140 करोड़ लोगों को अपना परिवार बताते हैं।नफरत के ऐसे न जाने कितने प्रकरण हर दिन घटते हैं, लेकिन लोग खामोशी से देख कर मुंह फेर लेते हैं। लोगों की जुबान पर तब भी ताले लग जाते हैं जब गोली मारो जैसे नारे देने वाले अनुराग ठाकुर और अमित शाह के बेटे जय शाह शाहिद अफरीदी के साथ बैठकर मैच देखते हैं। देश में भाजपा और संघ लोगों को घुट्टी पिला रहे हैं, पाकिस्तान से दुश्मनी निभाओ, मुसलमानों से नफरत करो। लेकिन खुद मतलब की दोस्ती निभाते हैं और पूरा फायदा लेते हैं। बहरहाल, बात हो रही थी महाकुंभ में आस्था के नाम पर हो रही ठगी की। इस ठगी में सभी शामिल नजर आए। सरकार ने आस्था के स्थल पवित्र त्रिवेणी संगम को राजनैतिक मंच की तरह इस्तेमाल किया। और इस मंच का विस्तार अलग–अलग राज्यों में भी किया। उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में जेलों में कैदियों को गंगा जल से स्नान कराया गया। तर्क दिया गया कि इससे उनकी आत्मिक शुद्धि होगी। वैसे न्यायपालिका में जेलों को सुधारगृह ही बताया गया है। जहां कुछ वक्त कैद रहकर इंसान जब बाहर निकले तो उसमें सुधार आए, उसकी अपराध करने की प्रवृत्ति छूटे। यह बिल्कुल गंगाजी में डुबकी लगाने जैसा ही है, जब सांसों को कैद करके इंसान पानी के भीतर घुसता है। लेकिन क्या वाकई हमारी जेलें सुधार गृहों की तरह रह गई हैं, ये एक उलझा हुआ सवाल है। अदालतों में मुकदमों का बोझ बढ़ा हुआ है, लाखों कैदी जेलों में कीड़े–मकोड़ों की तरह भरे रहते हैं। वहां नर्क जैसे माहौल में यातनाएं सहते हुए वक्त बिताते हैं और इनमें से कई तो अपराधी साबित होने के इंतजार में ही पड़े रहते हैं। क्या इन सवालों का जवाब कुछ कैदियों को गंगाजल से नहलाने से मिलेगा या इससे समाज में अपराध कम हो जाएगा। आंकड़ों के हिसाब से देश की लगभग आधी आबादी गंगा स्नान कर चुकी, तो क्या अब अपराध दर में गिरावट आएगी। उप्र के नोएडा में कुछ आलीशान रिहायशी इलाकों में लोगों ने संगम से लाए जल को स्विमिंग पूल के जल में मिला दिया, ताकि जो लोग प्रयागराज नहीं जा पाए, वे भी गंगा स्नान का पुण्य कमा लें। जबकि यहां अधिकांश इलाकों में नलों में गंगा का पानी ही आता है। इसी तरह सोशल मीडिया पर एक नए किस्म के कारोबार का खुलासा हुआ। कुछ लोगों ने संगम पर डिजिटल स्नान की व्यवस्था करवाई। अपने घर में बैठकर स्नान के आकांक्षी श्रद्धालु की फोटो इन लोगों ने अपने डिजिटल कैमरे से खींची, उसका वहीं पर प्रिंट निकाला और उनकी फोटो को गंगाजी में डुबोकर उसके लाइव दर्शन करवाए। इस सेवा के बदले कुछ हजार की रकम वसूली जाती है। आधुनिक तकनीकी से यह धार्मिक जुगाड़ शायद भारत में ही ईजाद हुआ है। अगर एलन मस्क को इसका पता चले तो वे इसका फायदा अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम में भी ले सकते हैं। वैसे मोदीजी अब कह सकते हैं कि पकौड़ा बेचना ही रोजगार नहीं है, आप डिजिटल स्नान से भी कमाई करवा सकते हैं। उनके डिजिटल इंडिया कार्यक्रम में भी इस अनूठे रोजगार का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। पहले तीर्थयात्राओं पर पंडे–पुजारियों को अच्छी कमाई का मौका मिलता था और तीर्थाटन के लिए आए श्रद्धालु भी उन्हें अपनी क्षमतानुसार सेवा देते थे, क्योंकि इनके जीवनयापन का यही साधन होता था। लेकिन इस महाकुंभ ने तो कमाई के नाम पर ठगी के नए दरवाजे खोले और लोग आस्था के नाम पर खुशी–खुशी खुद को ठगाने में भी लगे रहे। अब दो साल बाद नासिक कुंभ की तैयारियों में महाराष्ट्र सरकार जुट गई है और मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने कहा है कि आयोजन के लिए धन की कोई कमी नहीं होगी। क्या हमने कभी जनता को सुविधाएं देने के लिए धन की कमी न होने का आश्वासन सुना है। बजट में तो तमाम जरूरी खर्चों पर धन की कमी बता कर कटौती की जाती है। और आस्था को भुनाने के लिए हजारों करोड़ बहाए जाते हैं। हालांकि जब देश का मुखिया ही ऐसी पहल करे, तो बाकियों की कौन कहे। हाल ही में प्रधानमंत्री धीरेन्द्र शास्त्री द्वारा बनवाए जा रहे कैंसर अस्पताल के भूमिपूजन के लिए बागेश्वर धाम पहुंचे और वहां अपने भाषण में उन्हें अपना छोटा भाई कहा। प्रधानमंत्री के इन नए छोटे भाई अपने हथेली पर सीधे काल्पनिक नंबर डायल कर सीधे हनुमानजी से बात करने का चमत्कार दिखा चुके हैं। गौ मूत्र और हल्दी के सेवन से चौथे स्टेज के कैंसर के इलाज का दावा कर चुके हैं। ऐसी बात है कि अब वे कैंसर अस्पताल बना रहे हैं। लेकिन क्या वहां जाने से पहले प्रधानमंत्री को यह सोचना नहीं चाहिए था कि जो दायित्व सरकार का है, उसे कोई और क्यों निभा रहा है। धर्मार्थ चिकित्सालय सदियों से बनते आए हैं, जहां लोगों को मुफ्त इलाज मिलता है। लेकिन इसका राजनीतिकरण कभी नहीं हुआ। महाठगिनी अब तरह–तरह से सामने आ रही है। केवल माया ही महाठगिनी नहीं है।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में विकास भवन सभाकक्ष में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा अनुसरण के सम्बन्ध में मासिक बैठक संपन्न

विकास अधिकारीश श्री संदीप भागिया की अध्यक्षता में विकास

-मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बैंक के अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष 07 दिन में लोन देने के निर्देश दिये

-विद्युत विभाग के अधिकारियों को सत्यापन एवं स्मार्टमीटर के लिए कार्य ससमय करने के निर्देश दिये

मुजफ्फरनगर। मुख्य भवन सभाकक्ष में पी०एम० सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा अनुसरण के सम्बन्ध में मासिक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में परियोजना प्रभारी द्वारा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। पी०एम० सूर्य घर योजना के अन्तर्गत जनपद में 50 हजार घरों पर ऑनग्रिड सोलर रूफटॉप पावर प्लांट स्थापित करना का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पी०एम० सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अन्तर्गत 02 किलोवाट की संयंत्र की स्थापना पर 90 हजार रूपये का अनुदान मिलता है। 03 किलोवाट के संयंत्र पर रू0 1,08,000.00 राज्य सरकार व केन्द्र सरकार द्वारा अनुदान दिया जाता है। इस योजना में अधिकतम रू0 1.08,000.00 रूपये का अनुदान देय है।

बैंक द्वारा 7 प्रतिशत ब्याज दर पर लाभार्थियों को लोन दिये जाने की सुविधा उपलब्ध है। 01 कि०वाट से 10 कि० वाट तक के घरेलु विद्युत कनेक्शन वाले लाभार्थी इस योजना का लाभ उठा सकते है। 01 कि०वाट संयंत्र में प्रतिदिन औसतन 04–05 यूनिट विद्युत का उत्पादन होता है। आमतौर पर घरों में 02–03 कि०वाट के विद्युत कनेक्शन होते है। जिसमें औसतन प्रतिदिन 10–15 यूनिट विद्युत प्राप्त होती है। इस तरह माह में लगभग 300–450 यूनिट विद्युत का उत्पादन होता है जिसमें नेट मीटर की भी सुविधा है।

जनपद में वर्तमान में 32 वेण्डर्स पंजीकृत है। संयंत्र स्थापना हेतु लाभार्थी को नेशनल पोर्टल पर आवेदन करना होता है। वेण्डर्स द्वारा लाभार्थियों का पंजीकरण निःशुल्क किया जाता है। लाभार्थी अपना आवेदन नेशनल पोर्टल चउेनतलंहीत. हवअ.पद पर स्वयं भी कर सकता है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बैंक के अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष 07 दिन में लोन देने के निर्देश दिये गये है तथा 03 कि० वाट तक सोलर पावर प्लांट तक के लोन के लिए अनावश्यक रूप से कागज के लिए लाभार्थियों को परेशान न किया जाये तथा लाभार्थियों से बैंक अधिकारी अच्छा व्यवहार करें। विद्युत विभाग के अधिकारियों को सत्यापन एवं स्मार्टमीटर के लिए कार्य ससमय करने के निर्देश दिये गये है। स्मार्टमीटर में आ रही समस्याओं का दिनांक 03–03–2025 तक निराकरण करें तथा अधीक्षण अभियन्ता स्वयं इसका निरीक्षण करें। सभी वेण्डरों को गुणवत्तापूर्वक संयंत्रों की स्थापना किये जाने के निर्देश दिये गये। अग्रणी जिला प्रबन्धक द्वारा बताया गया कि 02 लाख तक के लोन के लिए आधार कार्ड, बैंक पास बुक, 1 फोटो, बिजली बिल के आधार पर ही सभी बैंक लोन करेंगें। मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा अग्रणी जिला प्रबन्धक की जनपद की सभी बैंक शाखाओं को आदेशित करने के निर्देश दिये गये है। सभी वेण्डर्स को 50 हजार का लक्ष्य पूर्ण करने के लिए मेन मार्किटों में बैनर पोस्टर, पम्पलेट्स के द्वारा प्रचार–प्रसार कर संयंत्र की स्थापना गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश दिये गये है। परियोजना अधिकारी, यूपीनेडा, मुजफ्फरनगर को निर्देश दिये गये कि अग्रणी जिला प्रबन्धक व विद्युत विभाग के अधिकारियों से समन्वय कर संयंत्र स्थापना में आ रही समस्याओं का ससमय निराकरण करवायें। बैठक में विद्युत विभाग के सभी अधीक्षण अभियन्ता व अधिशासी अभियन्ता, अग्रणी जिला प्रबन्धक सबन्धित बैंक के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर, जिला सूचना अधिकारी, जनपद के सभी वेण्डर्स ने भाग लिया।

कब नसीब फूटा पता नहीं चला मां नेपाली-पिता पंजाबी, जानिए कौन हैं गोविंदा की वाइफ सुनीता आहूजा

> गोविंदा अगर शांत हैं तो सुनीता आग जैसी फायर नेचर वाली। वो जो भी बोलती है फटाक से मुंह पर बोल देती हैं। उन्होंने कभी कुछ छिपाने की कोशिश नहीं की लेकिन बहुत से लोग सुनीता आहूजा से जुड़ी कुछ बातें नहीं जानते जो उन्होंने खुद कर्ली टेल को दिए इंटरव्यू में बताई थी।

इस समय गोविंदा और सुनीता आहूजा अपने रिश्ते को लेकर सुर्खियों में हैं। खबरें ऐसी आ रही हैं कि दोनों ग्रे डिवॉर्स ले रहे हैं हालांकि अभी कपल की तरफ से ऐसा कुछ भी कंफर्म नहीं किया गया है। सब जानते हैं कि गोविंदा और सुनीता का जोड़ी कैसी हैं। गोविंदा अगर शांत हैं तो सुनीता आग जैसी फायर नेचर वाली। वो जो भी बोलती है फटाक से मुंह पर बोल देती हैं। उन्होंने कभी कुछ छिपाने की कोशिश नहीं की लेकिन बहुत से लोग सुनीता आहूजा से जुड़ी कुछ बातें नहीं जानते जो उन्होंने खुद कर्ली टेल को दिए इंटरव्यू में बताई थी। फेमस सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और यूट्यूबर कामिया जानी को संडे ब्रंच में सुनीता ने बताया कि उन्हें एक्टर के तौर पर गोविंदा नहीं पसंद थे, शुरू से ही धर्मेंद्र देओल उनके फेवरेट रहे हैं और पर्सनेलिटी उन्हें अमिताभ बच्चन की पसंद रही रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने एक शो में धर्म जी से कह भी दिया था कि वह बहुत हैंडसम हैं। वह छोटी थी तो उन्होंने कहा कि मैं सोचती थी कि मैं धर्म जी से शादी कर लेती तो कितना अच्छा होता। किस्सा शेयर करते हुए सुनीता ने कहा कि जब उन्होंने बेटे यशवर्धन को कंसीव किया था तो वह गोविंदा को नहीं देखती थी क्योंकि उन्हें बेटा गोविंदा की तरह नहीं बल्कि ध र्मेंद्र की तरह चाहिए था और पर्सनेलिटी अमिताभ बच्चन जैसी और उन्होंने बैडरूम में धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन की ही तस्वीर लगाई थी। इसी के साथ उन्होंने कहा कि मेरा यश 6 फीट का हैं और सुंदर धर्म जी जैसा है।अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बताते हुए सुनीता ने बताया कि वह 4 बजे मेडिटेशन करती हैं और साढ़े 9 बजे तक सो जाती है और वह बस संडे वाले दिन ही शैतान बनती हैं यानि मोज मस्ती करती हैं। संडे वाले दिन ही वह अपनी फेवरेट ड्रिंक भी लेती हैं हालांकि वह काफी धार्मिक है और पॉजिटिविटी के लिए मंदिर का ट्रिंप लेती ही रहती हैं। वह अकेले ट्रेवल करना पसंद करती हैं और जब से अकेले ट्रेवल कर रही है तब से वह अपने लिए जी रही हैं। वह ज्योतिष में भी विश्वास रखती हैं। इसलिए वह तरह तरह के स्टोन और ज्वैलरी पहने दिखती हैं। सुनीता पंजाबी फैमिली से हैं हालांकि उनकी मां नेपाली थी। इसलिए सुनीता पंजाबी और नेपाली दोनों तरह की डिशेज कुक कर लेती हैं। सुनीता ही नहीं पूरा परिवार ही खाने का शौकीन है। वह पंजाबी खाना जैसे सरसों का साग मक्की दी रोटी, पालक पनीर, आदि सब खाना पसंद करती हैं और खाने से पहले वह भगवान से प्रार्थना करना नहीं भूलते। गोविंदा को पट्टाने का मंत्र बताते हुए सुनीता ने कहा, शगोविंदा फूडी थे इसलिए गोविंदा को मनाने के लिए खाना बनाना अच्छे से सीखा क्योंकि तभी ये आदमी कंट्रोल में रहेगा। वह 16 की थी जब वह गोविंदा से मिली उसके बाद ही उन्होंने अपनी मां को देख–देख कर खाना बनाना सीख लिया और उन्हें नेपाली डिश गुन्द्रुक, मोमोज आदि सब बना लेती हैं लेकिन मजाक मजाक में उन्होंने कहा कि जब वो गोविंदा से मिली तो पहले बहुत लड़ाई होती थी लेकिन फिर कैसे वह उनके करीब आ गई और कब नसीब फूटा पता ही नहीं चला। सुनीता का घर भी बहुत सुंदर है और घर की सारी डेकोरेशन सुनीता और उनके बच्चों ने अपने हिसाब से की है। इसी के साथ सुनीता ने कहा कि वह कम ही लोगों से बात करना पसंद करती हैं क्योंकि वह अपनी एनर्जी वेस्ट नहीं करना चाहती लेकिन गोविंदा की बात बताते हुए कहा कि वह अपने साथ 4 बेवकूफों को बिठाए रखते हैं। ऐसे बहुत सारी बातें सुनीता ने बताई जिससे पता चलता है कि सुनीता बहुत ही कूल हैं। वैसे आपको सुनीता आहूजा का नेचर कैसा लगता है और गोविंदा सुनीता की जोड़ी हमें कमेंट बॉक्स में बताना ना भूलें।

पति को छोड़ आस्ट्रेलिया में सोलो ट्रिप पर निकलीं कैटरीना, महाकुंभ में डुबकी लगाने के बाद पूल और वादियों में चिल करती दिखीं

एक्ट्रेस कैटरीना कैफ हाल ही में महाकुंभ पहुंची थी। उन्होंने सासू मां वीणा कौशल के साथ आस्था की डुबकी लगाई थी। वहीं अब महाकुंभ में डुबकी लगाने के बाद कैटरीना बर्फीले पहाड़ देखने निकल पड़ी। कैटरीना पति विक्की कौशल को घर छोड़ ऑस्ट्रेलिया में सोलो ट्रिप एंजॉय कर रही हैं। इस दौरान की तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं जिसमें वह मौसम का लुफ्त उठाती नजर आ रही है। कैटरीना कैफ की इस तस्वीर को देखकर कई लोगों को ठंड लग जाएगी। एक्ट्रेस ठंडे पानी के पूल में आराम फरमा रही है। ब्लैक स्विमसूट में कैटरीना कैफ मौसम को निहारते हुए पोज दे रही है। कैटरीना कैफ को ठंडी जगह बहुत पसंद है। अक्सर वह ऐसी जगहों पर जाती रहती है जहां स्नोफॉल होता हो। इस तस्वीर में भी कैटरीना कैफ को बर्फ के बीच देख जा सकती है। सिर पर टोपी पहन कैटरीना सूरज की किरणों के साथ पोज दे रही है। इन तस्वीरों को साथ कैटरीना ने लिखा–फिर से वही समय रुउंलतसपमिंसजंनेम में... इस जगह की अद्भुत शांति और खूबसूरती हर बार चौंका देती है। बर्फ से ढके पहाड़ों की सैर, झील में पिघलती बर्फ की मधुर ध्वनि... समय सच में ठहर सा जाता है और हमेशा वह स्पष्टता मिलती है, जो कभी–कभी दुर्लभ लगती है।एक अद्भुत टीम, जो आपको परिवार जैसा महसूस कराती है, और एक सच में दिव्य अनुभव... एक परफेक्ट रीसेट! फैंस कैटरीना की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। काम की बात करें तो कैटरीना टाइगर 3 में नजर आई थीं जिसमें उन्होंने सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर की थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी। वहीं कैटरीना जल्द ही आलिया भट्ट और प्रियंका चोपड़ा के साथ जी ले जारा में नजर आएंगी हालांकि अभी तक फिल्म की शूटिंग शेड्यूल पर कोई अपडेट नहीं है।

आश्रम सीजन 3 पार्ट 2: रोमांच, बदला और बाबा निराला की नई चुनौती

आश्रम एक ऐसी सीरीज जिसको लेकर दर्शकों के बीच अलग ही दीवानगी है। सीरीज के हर सीजन को दर्शकों का अटूट प्यार मिला है। इस सीरीज के सीजन 3 के पार्ट 2 का सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वो इंतजार अब पूरा हो चुका है सीरीज अपने पुराने कलकारों लेकिन नई कहानी और रोमांच के साथ एक बार फिर रिलीज हो चुकी है। बाबा निराला पर अब क्या संकट आने वाला है और उनका साम्राज्य कैसे चलता है ये जानने के लिए आपको सीरीज के तीसरे सीजन का दूसरा पार्ट देखना पड़ेगा। आइए जानते हैं कैसा है आश्रम सीजन 3 का पार्ट 2।

कहानी

आश्रम सीजन 3 का पार्ट 2 दर्शकों को एक नई दिशा में ले जाता है। जहां बाबा निराला की काली दुनिया का पर्दाफाश होने की कगार पर है। इस बार कहानी में काफी तेजी देखने को मिलती है। बाबा निराला के साम्राज्य को खत्म करने के लिए पम्मी का बदला और उसकी जेल से वापसी एक महत्वपूर्ण मोड़ है। क्या बाबा निराला का साम्राज्य खत्म हो जाएगा? क्या पम्मी बाबा से बदला ले पाएगी? इस सीजन में इन सवालों का जवाब मिलेगा। हर एपिसोड आपको और भी रोमांचित करता है, और इसकी तेज रफ्तार कहानी आपको एक पल के लिए भी बोर नहीं होने देती।

डायरेक्शन

प्रकाश झा का डायरेक्शन हमेशा की तरह शानदार है। उनकी फिल्म निर्माण की शैली पूरी सीरीज में साफ दिखाई देती है। वे हर किरदार को पूरी जगह और स्पेस देते हैं, जिससे कि कहानी में हर एक पात्र की अहमियत बढ़ जाती है। बाबा निराला के किरदार पर फोकस रखते हुए, उन्होंने बाकी सभी किरदारों को भी उतना ही महत्वपूर्ण बनाया है। डायरेक्शन के मामले में कोई कमी नहीं दिखती, और हर सीन बखूबी फिल्माया गया है। कोई भी दृश्य ज्यादा लंबा या अधूरा नहीं लगता।

अभिनय

बॉबी देओल ने बाबा निराला के रूप में कमाल की एक्टिंग की है। उनके करियर को इस सीरीज से एक नया मोड़ मिला है और वे इस किरदार में पूरी तरह से फिट हैं। अदिति पोहनकर ने भी अपनी एक्टिंग से सीरीज में जान डाल दी है। उनका किरदार इस बार और भी मजबूत और प्रभावशाली नजर आता है। चंदन रॉय सान्याल ने भी अपना किरदार बहुत अच्छी तरह निभाया है, और उनकी एक्टिंग ने इस सीजन को और भी सशक्त बना दिया है। बाकी कलाकारों जैसे दर्शन कुमार, त्रिधा चौधरी और राजीव सिद्धार्थ ने भी शानदार प्रदर्शन किया है, जिनसे कहानी और भी दिलचस्प बन जाती है।

कई एक्ट्रेस के साथ इश्क लड़ा चुके हैं गोविंदा, सालों पहले दिया था दूसरी शादी करने का हिंट

अभिनेता गोविंदा की शादी पर संकट मंडरा रहा है, खबरों की मानें तो एक्टर अपनी पत्नी सुनीता अहूजा से अलग होने जो रहे हैं। दावे किए जा रहे हैं कि एक्टर का दिल अपने से 30 साल छोटी एक्ट्रेस पर आ गया है जिसके चलते वह अपनी 37 साल की शादी तोड़ने जा रहे हैं। अब लोगों को वह बात याद आ गई जब गोविंदा ने कहा था उनकी कुंडली में दो शादियां लिखी हैं। तलाक की खबरों को लेकर भले ही गोविंदा ने चुप्पी साधी हुई है लेकिन अब उनका पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो दिवंगत एक्ट्रेस दिव्या भारती के प्रति आकर्षित होने और दूसरी शादी की संभावना के बारे में बात कर रहे हैं। एक इंटरव्यू में एक्टर ने कहा था कि उन्हें दिव्या भारती पसंद हैं। उन्होंने दिव्या भारती को शकामुक लड़कीश कहते हुए कहा कि किसी पुरुष के लिए दिव्या के प्यार को ठुकराना बड़ा मुश्किल है।इसके बाद गोविंदा ने कहा था कि उनकी शादी दोबारा हो सकती है, और ऐसा उनकी कुंडली में लिखा है, लेकिन इसके लिए पत्नी सुनीता को तैयार रहना होगा। एक्टर ने यह भी कहा था कि उन्होंने सुनीता से सिर्फ इसलिए शादी की क्योंकि उन्होंने उन्हें वचन दिया था न कि इसलिए कि वह उनसे प्यार करते थे। उस समय उन्होंने नीलम कोठारी के प्रति अपनी फीलिंग्स का भी इजहार किया था। गोविंदा ने उस समय कहा था–क्या पता कल को मैं किसी और के साथ इन्वॉल्व हो जाऊं, और हो सकता है कि जिस लड़की के साथ इन्वॉल्व होऊं, उससे शादी भी कर लूं। लेकिन इसके लिए सुनीता को तैयार रहना होगा। तभी मैं आजाद महसूस कर पाऊंगा। और मेरी कुंडली में दूसरी शादी का योग है। गोविंदा का नाम कई एक्ट्रेस से जुड़ चुका है, अब लोग उस मराठी एक्ट्रेस के बारे में जानना चाहते हैं जिसकी वजह से सुनीता का घर टूटने जा रहे है।

वंदना ललवानी से तलाक की खबरों पर अमन वर्मा की प्रतिक्रिया–मैं बस इतना ही कह सकता हूं...

बागवान फिल्म के एक्टर अमन वर्मा और वंदना ललवानी की शादी 2016 में हुई थी और अब कथित तौर पर उनकी शादी में कुछ मुश्किलें आ रही हैं। शादी के 9 साल बाद उनके तलाक की खबरें सामने आ रही हैं। यह खबर उनके फैंस और बॉलीवुड इंडस्ट्री में भी चर्चा का विषय बन गई है। दोनों के फैंस इस जोड़ी के बीच रिश्ते की कठिनाइयों को लेकर चिंता जाहिर कर रहे हैं। इसी बीच हाल ही में जब अमन से संपर्क किया गया, तो उन्होंने एक टेक्स्ट मैसेज के जरिए जवाब दिया। तो आइए जानते हैं अमन ने अपने तलाक की खबरों पर क्या रिएक्ट किया..

इस जोड़े की मुलाकात 2014 में टीवी शो हम ने ली शपथ के सेट पर हुई थी, और इसके बाद उन्होंने 2015 में सगाई की थी। हालांकि अब उनकी शादी में दरारें आ चुकी हैं, और खबरें आ रही हैं कि दोनों के बीच अब संबंध बेहतर नहीं रह गए हैं। इस बारे में जब अमन से संपर्क किया गया, तो उन्होंने एक अमन वर्मा ने एक टेक्स्ट मैसेज के जरिए जवाब में कहा, कोई टिप्पणी नहीं... अभी मैं बस इतना ही कह सकता हूँ। वहीं, वंदना लालवानी ने अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन गुरुवार की सुबह उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की थी, जिस पर लिखा था, सत्य की जीत होगी, जिससे यह संकेत मिलता है कि उनके अलगाव का रुख अब साफ हो गया है। हालांकि, उनके अलग होने के पीछे की वजह अभी तक सार्वजनिक रूप से शेयर नहीं की गई हैं, लेकिन कई रिपोर्ट्स के अनुसार, यह जोड़ा पिछले कुछ समय से अपनी शादी को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा था। स्थिति में सुधार न होने के बाद, उन्होंने यह फैसला लिया है कि अब उन्हें अलग–अलग रहने की जरूरत है।

इम्यूनिटी को करना है बूस्ट तो खाली पेट पीएं ये ड्रिंक्स

अदरक में एंटी–ऑक्सीडेंट होते हैं जो संक्रमण से लड़ते हैं। वहीं, तुलसी अपने औषधीय गुणों के लिए जानी जाती है। अदरक–तुलसी की चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक कप पानी उबालें। अब इसमें कद्दूकस किया हुआ अदरक और 5–6 तुलसी के पत्ते डालें।

हम सभी बीमारियों से कोसों दूर रहना चाहते हैं लेकिन आज के समय में हर किसी का लाइफस्टाइल कुछ ऐसा हो गया है कि हर व्यक्ति किसी ना किसी बीमारी की जद में रहता ही है। सीजनल एलर्जी से लेकर कब्ज व पेट दर्द तक, कई समस्याएं व्यक्ति को हमेशा घेरे रहती हैं। ऐसे में अक्सर व्यक्ति दवाइयों पर ही निर्भर रहता है। जबकि अगर आप चाहें तो नेचुरल तरीके से भी अपनी सेहत का ख्याल रख सकती हैं। जी हां, ऐसी कई मॉर्निंग ड्रिंक्स होती हैं, जो इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मददगार साबित हो सकती हैं। जिसकी वजह से आपकी सेहत पर पॉजिटिव असर पड़ता है और इम्यूनिटी बूस्टअप होने से आप बार–बार बीमार नहीं पड़ते हैं–

अदरक–तुलसी की चाय (Ginger-Tulsi Tea)

अदरक में एंटी–ऑक्सीडेंट होते हैं जो संक्रमण से लड़ते हैं। वहीं, तुलसी अपने औषधीय गुणों के लिए जानी जाती है। अदरक–तुलसी की चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक कप पानी उबालें। अब इसमें कद्दूकस किया हुआ अदरक और 5–6 तुलसी के पत्ते डालें। अब इसे 5 मिनट तक उबलने दें। छानें और गर्म पिएं।

नींबू–दालचीनी पानी (Lemon-cinnamon water)

इम्यूनिटी बूस्टिंग के लिए आप मॉर्निंग ड्रिंक के रूप में नींबू दालचीनी का पानी पीएं। नींबू में विटामिन सी की मात्रा अधिक होती है। यह शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। वहीं दूसरी ओर, दालचीनी में एंटी–बैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं, जो संक्रमण से बचाते हैं। नींबू दालचीनी पानी बनाने के लिए सबसे पहले पानी को गर्म करें। अब उसमें एक नींबू का रस और 1/4 चम्मच दालचीनी पाउडर डालें।

जीरा पानी (Cumin Water)

जीरा एंटी–ऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है जो ना केवल पाचन में सुधार करता है, बल्कि इससे इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। जीरा पानी बनाने के लिए सबसे पहले 1 चम्मच जीरा को 1 गिलास पानी में रात भर भिगो दें। सुबह पानी को उबालकर छान लें और गर्मागर्म पिएं।

चुकंदर–गाजर का जूस (Beetroot-Carrot Juice)

चुकंदर और गाजर दोनों ही विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट और बीटा–कैरोटीन से भरपूर होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को बूस्टअप करने में मददगार है। अगर आप इस जूस का सेवन करते हैं तो लिवर को डिटॉक्स करने से लेकर रेड ब्लड सेल्स को बूस्ट करने और स्किन हेल्थ को बेहतर बनाने में मददगार है। इस जूस को बनाने के लिए 1 चुकंदर, 1 गाजर, आधा इंच अदरक और आधा नींबू का ररस पानी के साथ डालकर ब्लेंड करें।

दक्षिण भारत की टॉप रोमांटिक जगहों पर बनाएं घूमने का प्लान, पार्टनर भी हो जाएगा खुश

फरवरी साल का ऐसा महीना होता है, जब देश में थोड़ी–थोड़ी ठंड कम पड़ने लगती है। जब ठंड कम पड़ती है, तो घूमने का मजा दोगुना हो जाता है। वहीं यह महीना साल का सबसे रोमांटिक महीना भी माना जाता है। क्योंकि फरवरी महीने में भी वैलेंटाइन डे वीक मनाया जाता है। इस दौरान दक्षिण भारत में कई कपल्स घूमने का प्लान बनाते हैं। दक्षिण भारत हमारे देश का एक हिस्सा है। जहां पर फरवरी महीने में कम ठंडक पड़ती है। फरवरी महीने में दक्षिण भारत का मौसम भी एकदम रोमांटिक रहता है। इसलिए इस महीने में दक्षिण भारत में हर दिन हजारों की संख्या में लोग घूमने के लिए आते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दक्षिण भारत की कुछ हसीन और टॉप रोमांटिक जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अल्लेप्पी

दक्षिण भारत में स्थित सबसे खूबसूरत और रोमांटिक जगह में अल्लेप्पी का नाम सबसे पहले आता है। यह सिर्फ केरल का ही नहीं बल्कि पूरे भारत का एक खूबसूरत हॉलिडे डेस्टिनेशन माना जाता है। अरब सागर के तट पर स्थित अल्लेप्पी अपने खूबसूरत समुद्री तट, लैगून और बैक वाटर के लिए जाना जाता है। अल्लेप्पी को दक्षिण भारत की टॉप हनीमून डेस्टिनेशन माना जाता है। ऐसे में आप अपने पार्टनर के साथ अल्लेप्पी घूमने के लिए जा सकते हैं।

कोडईकनाल

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु में स्थित कोडईकनाल देश का सबसे खूबसूरत और बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन में से एक है। यह पार्टनर के साथ घूमने के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है। कोडईकनाल अपनी प्रकृति सुंदरता के लिए जाना जाता है। यहां पर आपको खूबसूरत झील–झरने, बादलों से ढके ऊंचे–ऊंचे पहाड़ और खूबसूरत घाटियां देखने को मिलेंगी। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ हसीन शाम गुजार सकते हैं और एडवेंचर एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं। कोडईकनाल में आप कोडईकनाल झील, कोकर्स वॉक और डॉलफिन नोज पॉइंट जैसी रोमांटिक जगहों पर जरूर जाएं।

कूर्ग

अगर आप अपने पार्टनर के साथ फरवरी के महीने में कर्नाटक की किसी रोमांटिक जगह पर जाना चाहते हैं, तो आपको कुर्ग जाना चाहिए। क्योंकि कुर्ग में सिर्फ भारतीय कपल्स ही नहीं बल्कि विदेशी कपल्स भी घूमने के लिए आते हैं। कुर्ग की खूबसूरती इस तरह प्रचलित है कि इसको दक्षिण भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। आपको कुर्ग में कई होटल और रिसॉर्ट ऐसे होते हैं, जहां पर आप रूम बुक करके हसीन शाम बिता सकते हैं। आप यहां पर अपने पार्टनर के साथ एबी फॉल्स, ब्रह्मगिरी शिखर, चेट्टाल्ली, दुबारे हाथी शिवर और राजा की सीट जैसी रोमांटिक जगहों को एकसप्लोर कर सकते हैं।

पुडुचेरी

दक्षिण भारत में स्थित पुडुचेरी एक केंद्र शासित प्रदेश है। इस देश को एक बेहद खूबसूरत और रोमांटिक डेस्टिनेशन भी माना जाता है। बंगाल की खाड़ी के कोरोमंडल तट पर स्थित पुडुचेरी को हनीमून डेस्टिनेशन के रूप में भी जाना जाता है। यहां पर सिर्फ फरवरी महीने में बल्कि साल के अन्य महीनों में भी कपल्स घूमने के लिए आते हैं। पुडुचेरी में आप पार्टनर के साथ सुबह–शाम समुद्र तट के किनारे सुकून और यादगार भरे कुछ पल बिता सकते हैं। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ पैराडाइज बीच, बॉटनिकल गार्डन और प्रोमेनेड बीच जैसी रोमांटिक जगहों पर जाना न भूलें।

क्या हाई ब्लड प्रेशर से दिमाग में ब्लड क्लाटस बन सकते हैं?

हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) दिमाग में खून के थक्के बनने के जोखिम को बढ़ा सकता है। यह रक्त वाहिकाओं की दीवारों को नुकसान पहुंचाता है, जिससे उनमें थक्का बनने की संभावना बढ़ जाती है। यदि खून का थक्का दिमाग में किसी रक्त वाहिका में फंस जाए, तो इससे रक्त संचार में रुकावट आती है, जो स्ट्रोक का कारण बन सकता है। यह एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, और इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है।

कैसे होता है ब्रेन हेमरेज?

हाई ब्लड प्रेशर की वजह से दिमाग की नसों की दीवारों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। इस कारण रक्त वाहिकाएं संकीर्ण, सख्त हो जाती हैं और इनमें प्लाक जमा होने लगता है। यह थक्के बनने की आदर्श स्थिति तैयार करता है। जब इन संकुचित नसों में खून का थक्का बनता है, तो यह दिमाग में रक्त के प्रवाह को अवरुद्ध कर सकता है, जिससे इस्केमिक स्ट्रोक हो सकता है।

ब्लीडिंग स्ट्रोक का खतरा

गंभीर मामलों में, उच्च रक्तचाप मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं को कमजोर कर सकता है, जिससे वे फट सकती हैं और रक्तस्रावी स्ट्रोक हो सकता है। यह स्थिति बहुत खतरनाक हो सकती है और जीवन के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकती है।

कोलेस्ट्रॉल और हाई बीपी का असर

हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर का बढ़ना दिमाग पर प्रत्यक्ष प्रभाव डाल सकता है। बढ़ता हुआ दबाव दिमाग की रक्त वाहिकाओं पर असर डालता है और इससे ब्रेन हेमरेज का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा, बढ़ती उम्र के साथ डिमेंशिया, अल्जाइमर जैसी समस्याएं भी दिमाग से जुड़ी समस्याओं के रूप में सामने आ सकती हैं। खराब जीवनशैली और खानपान के कारण हाई बीपी की समस्या बढ़ सकती है, जो दिमाग पर दबाव डालती है।

ब्रेन हेमरेज का खतरा और हाई बीपी

हाई बीपी के कारण ब्रेन हेमरेज का खतरा बढ़ता है, और इससे व्यक्ति की जान को भी खतरा हो सकता है। ब्रेन हेमरेज के दौरान दिमाग में खून बहने लगता है, जो स्ट्रोक के समान होता है। हाई बीपी से रक्त वाहिकाएं कमजोर हो सकती हैं, जिससे उनका फटना और खून का रिसाव हो सकता है।

हाई बीपी के प्रभाव

एक आंकड़े के मुताबिक, 95 प्रतिशत ब्रेन हेमरेज के मामले हाई ब्लड प्रेशर के कारण होते हैं। इसलिए नियमित रूप से बीपी की जांच कराना बहुत जरूरी है ताकि यह खतरनाक स्तर तक न पहुंच जाए। खासकर उन लोगों को ध्यान रखना चाहिए जिनकी उम्र 40 साल से अधिक हो। यदि बीपी के साथ–साथ कोलेस्ट्रॉल और शुगर का स्तर भी बढ़ जाए, तो यह स्थिति और भी जोखिमपूर्ण हो सकती है। हाई ब्लड प्रेशर को नजरअंदाज करना बहुत खतरनाक हो सकता है। यह दिमाग के रक्त वाहिकाओं पर असर डालता है, जिससे थक्के, स्ट्रोक और ब्रेन हेमरेज जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। इसीलिए, हाई बीपी के मरीजों को समय–समय पर अपनी सेहत की जांच करवानी चाहिए और डॉक्टर की सलाह से इलाज करना चाहिए।

सान्या मल्होत्रा की फिल्म मिसेज में दम पुख्त बिरयानी देखकर आ गया मुंह में पानी, तो अब जान लें इसे बनाने के जरूरी टिप्स

हाल ही में सान्या मल्होत्रा की फिल्म मिसेज रिलीज हुई और यह फिल्म हर कोई बेहद पसंद कर रहा है। फिल्म में सान्या मल्होत्रा को डिलिशियस दम पुख्त बिरयानी बनाते हुए दिखाया गया है। उसे देखकर यकीनन आपके मुंह में भी पानी आ गया होगा और अब आप भी उसे खाने का मन बना रहे होंगे। ऐसे में अगर आप भी घर पर दम पुख्त बिरयानी बनाना चाहते हैं तो उसे परफेक्ट तरीके से बनाने के लिए आपको कुछ छोटे–छोटे टिप्स पर खासतौर से ध्यान देना चाहिए। वास्तव में अगर कोई एक डिश है जो शाही अंदाज़ में बनाई जाती है, तो वह है दम पुख्त बिरयानी। धीमी आंच पर पकाई गई बिरयानी स्वाद से भरपूर होती है। जब मीट और चावल अपनी भाप में एक साथ पकते हैं, जिससे हर निवाला बेहद स्वादिष्ट बनता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको दम पुख्त बिरयानी बनाने के कुछ छोटे–छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं–

सही चावल और मीट का करें चयन

दम पुख्त बिरयानी बनाने के लिए लंबे दाने वाले बासमती चावल का इस्तेमाल करें। ध्यान दें कि पुराना चावल सबसे अच्छा होता है क्योंकि यह फूला हुआ रहता है और गूदा नहीं बनता। चावल को पकाने से पहले कम से कम 30 मिनट के लिए भिगोएं। इससे चावल अच्छी तरह से पकता है और टूटने से बचता है। वहीं मीट के लिए मटन सबसे अच्छा विकल्प है क्योंकि यह दम पर पकाने से बहुत नरम हो जाता है। लेकिन अगर आप चिकन का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो इसे कम समय के लिए पकाएं, नहीं तो यह सूख सकता है।

सही तरह से करें मैरिनेशन

मीट का सही तरह से मैरिनेशन बहुत अधिक मायने रखता है। मीट को कम से कम 4–6 घंटे के लिए मैरिनेट करें, या हो सके तो रात भर के लिए। मैरिनेशन के लिए दही, तले हुए प्याज़, अदरक–लहसुन पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला, नमक और नींबू का रस इस्तेमाल करें। थोड़ा सा सरसों का तेल या घी डालें। इससे स्वाद और भी बढ़ जाता है।

प्रो की तरह करें लेयरिंग

दम पुख्त बिरयानी बनाते समय उसकी सही तरह से लेयरिंग करना भी उतना ही जरूरी है। सबसे पहले हमेशा भारी तले वाले बर्तन या हांडी का इस्तेमाल करें ताकि वह जले नहीं। साथ ही, पहली परत डालने से पहले नीचे घी लगा लें। पहले मैरिनेट किया हुआ मीट, फिर उबले हुए चावल, फिर तले हुए प्याज, पुदीना, धनिया, केसर मिला हुआ दूध और थोड़ा सा घी डालें। जब तक सारी सामग्री इस्तेमाल न हो जाए, तब तक यही दोहराते रहें। जलने से बचने के लिए सबसे ऊपर चावल होना चाहिए, मीट नहीं।

संक्षिप्त

तुहिन कांत पांडेय बने सेबी के नए चेयरमैन, माधबी पुरी बुच की जगह लेंगे

आईएएस तुहिन कांता पांडे को गुरुवार को सेबी का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया। ओडिशा कैडर के 1987 बैच के अधिकारी माधबी पुरी बुच का स्थान लेंगे, जिनका तीन साल का कार्यकाल 28 फरवरी को समाप्त होगा। वित्त मंत्रालय ने इस पद के लिए 17 फरवरी तक आवेदन मांगे थे। बुच के पूर्ववर्ती, अजय त्यागी और यूके सिन्हा, दोनों को सेबी प्रमुख के रूप में विस्तार मिला था, त्यागी चार साल तक और सिन्हा छह साल तक अध्यक्ष पद पर कार्यरत रहे।

कौन हैं तुहिन कांता पांडे?

पांडे ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर और बर्मिंघम विश्वविद्यालय (यूके) से एमबीए किया है। इस नियुक्ति से पहले पांडे वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के सचिव और वित्त सचिव के रूप में कार्यरत थे। इससे पहले, उन्होंने तीन विभागों– निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (क्प्ड।ड), सार्वजनिक उद्यम विभाग (क्च्म्) और कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के सचिव का कार्यभार संभाला था। दीपम में सचिव के रूप में सेवा देने से पहले, पांडे ने संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) के क्षेत्रीय कार्यालय में कार्य करने के अलावा, केंद्र सरकार और ओडिशा राज्य सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। केंद्र सरकार में, उनके पिछले पदों में संयुक्त सचिव, योजना आयोग (अब नीति आयोग), संयुक्त सचिव, कैबिनेट सचिवालय और वाणिज्य मंत्रालय में उप सचिव शामिल हैं। ओडिशा राज्य सरकार में, उन्होंने स्वास्थ्य, सामान्य प्रशासन, वाणिज्यिक कर, परिवहन और वित्त विभागों में प्रशासनिक प्रमुख के रूप में कार्य किया। उन्होंने ओडिशा राज्य वित्त निगम के कार्यकारी निदेशक और ओडिशा लघु उद्योग निगम के प्रबंध निदेशक के रूप में भी कार्य किया।

ईपीएफओ ने 2024–25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर रखी बरकरार

नयी दिल्ली, एजेंसी। सेवानिवृत्ति निधि निकाय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 2024–25 के लिए ईपीएफ जमा पर 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर बरकरार रखी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने फरवरी 2024 में ईपीएफ पर ब्याज दर को 2022–23 में 8.15 प्रतिशत से मामूली रूप से बढ़ाकर 2023–24 के लिए 8.25 प्रतिशत कर दिया था। ईपीएफओ ने मार्च 2022 में अपने सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए 2021–22 के लिए ईपीएफ पर ब्याज को चार दशक के निचले स्तर 8.1 प्रतिशत पर ला दिया था, जो 2020–21 में 8.5 प्रतिशत थी। 2020–21 के लिए ईपीएफ पर 8.10 प्रतिशत ब्याज दर थी।

यह 1977–78 के बाद से सबसे कम है, जब ईपीएफ ब्याज दर आठ प्रतिशत थी। एक सूत्र ने बताया, '' ईपीएफओ की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने शुक्रवार को अपनी बैठक में 2024–25 के लिए ईपीएफ पर 8.25 प्रतिशत ब्याज देने का फैसला किया है।'' वित्त वर्ष 2020–21 के लिए ईपीएफ जमा पर 8.5 प्रतिशत ब्याज दर का फैसला सीबीटी ने मार्च 2021 में किया था। सीबीटी के फैसले के बाद 2024–25 के लिए ईपीएफ जमा पर ब्याज दर को सहमति के लिए वित्त मंत्रालय को भेजा जाएगा। सरकार के अनुमोदन के बाद, 2024–25 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर ईपीएफओ के सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के खातों में जमा की जाएगी। ईपीएफओ वित्त मंत्रालय के माध्यम से सरकार द्वारा अनुमोदन के बाद ही ब्याज दर प्रदान करता है।

मुद्रास्फीति में नरमी से आरबीआई के लिए नीतिगत दर में कटौती को लेकर गुंजाइश बढ़ी : एनसीएईआर

नयी दिल्ली, एजेंसी। मुद्रास्फीति के जनवरी महीने में कम होकर 4.3 प्रतिशत पर आने से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए नीतिगत दर में कटौती को लेकर गुंजाइश बढ़ी है। प्रतिष्ठित शोध संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लायड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) ने अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में यह कहा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस महीने की शुरुआत में नीतिगत दर रेपो 0.25 प्रतिशत घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दी है। मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक अप्रैल में होनी है। समीक्षा में कहा गया है कि प्रतिकूल वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भी कुछ प्रमुख आंकड़े... विनिर्माण के लिए खरीद प्रबंधक सूचकांक, जीएसटी संग्रह और वाहन बिक्री अर्थव्यवस्था में बदलाव के संकेत दे रहे हैं। शोध संस्थान ने कहा कि सकल और शुद्ध रूप से जीएसटी संग्रह में पिछले महीने क्रमशः 12.3 प्रतिशत और 10.9 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई। जबकि दिसंबर, 2024 में इसमें क्रमशरू 7.3 प्रतिशत और 3.3 प्रतिशत की ही वृद्धि हुई थी। एनसीएईआर की महानिदेशक पूनम गुप्ता ने कहा, ''मुद्रास्फीति में कमी (सकल मुद्रास्फीति 4.3 प्रतिशत) ने आरबीआई के लिए नीतिगत मोर्चे पर गुंजाइश बना दी है। कृषि क्षेत्र में भी मजबूती दिख रही है, जो मुद्रास्फीति नियंत्रण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोनों के लिए अच्छा संकेत है।'' उन्होंने कहा कि एक अन्य कारक जिस पर नजर रखने की जरूरत है वह है एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशकों) की लगातार पूंजी निकासी। गुप्ता ने कहा, '' अध्ययनों से पता चलता है कि एफआईआई प्रवाह घरेलू कारकों की तुलना में बाहरी कारकों से अधिक प्रेरित होता है। और इसलिए इसकी प्रकृति काफी अस्थिर है। अतीत की तरह, भारत से एफआईआई की निकासी का मौजूदा चरण वैश्विक घटनाक्रमों का परिणाम है...।

'हमने सिर्फ मैक्सवेल नहीं, बल्कि पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम...', करो या मरो मुकाबले से पहले बोले शाहिदी

लाहौर, एजेंसी। अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने चौंपियंस ट्रॉफी में आज खेले जाने वाले अपने करो या मरो जैसे अहम लीग मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि उनकी टीम ने सिर्फ दिग्गज ग्लेन मैक्सवेल नहीं, बल्कि पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए योजनाएं बनाई है। इंग्लैंड पर बुधवार को आठ रन की यादगार जीत दर्ज करने के बाद अफगानिस्तान के सामने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए आज लाहौर में ऑस्ट्रेलिया को हराने की चुनौती है। यह मैच दोपहर ढाई बजे शुरू होगा।

हम सिर्फ मैक्सवेल के खिलाफ खेलने आएंगे?

शाहिदी ने मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में कहा, क्या आपको लगता है कि हम सिर्फ मैक्सवेल के खिलाफ खेलने आएंगे? क्या आपको लगता है ऐसा ही होगा? हमने पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए योजना बनाई है। मुझे पता है कि उसने (मैक्सवेल) 2023 विश्व कप में वास्तव में अच्छा खेला था लेकिन वह इतिहास का हिस्सा है।

2023 वनडे विश्व कप में मैक्सवेल ने बनाया था रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया ने 2023 विश्व कप में जीत के लिए 292 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 100 रन के अंदर सात विकेट गंवा दिए थे, लेकिन मैक्सवेल ने एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास की सबसे महान पारियों में से एक खेलकर अपनी टीम को अविश्वसनीय जीत दिलाई थी। ऑस्ट्रेलिया ने इसके कुछ ही दिनों के बाद रिकॉर्ड छठा विश्व कप जीता।

अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप 2024 में ऑस्ट्रेलिया को हराया

अफगानिस्तान ने हालांकि उस हार का बदला टी20 विश्व कप 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के साथ लिया। इस मैच में भी मैक्सवेल ने आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को चुनौती दी थी। शाहिदी ने कहा, उसके बाद हमने उन्हें टी20 विश्व कप में हराया। हम प्रतिद्वंद्वी टीम के सभी खिलाड़ियों के बारे में सोचते हैं। हम सिर्फ व्यक्तिगत खिलाड़ियों पर योजना के साथ मैदान पर नहीं आ रहे हैं। हम पूरी टीम के लिए योजना के साथ आने की पूरी कोशिश करेंगे। हम सिर्फ मैक्सवेल के खिलाफ नहीं खेलेंगे। हम ऑस्ट्रेलिया से खेलेंगे।

इंग्लैंड पर जीत से अफगानिस्तान में खुशी की लहर

इंग्लैंड के खिलाफ जीत से अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में जबरदस्त जश्न मनाया गया। प्रशंसकों ने सड़कों पर आतिशबाजी के साथ जश्न मनाया। अफगानिस्तान अगर ऑस्ट्रेलिया को हराने में सफल रहा तो वह 2024 में अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए टी20 विश्व कप के बाद एक साल से भी कम समय में आईसीसी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में लगातार दूसरी बार पहुंचेगा।

सेमीफाइनल के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे शाहिदी

शाहिदी हालांकि सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाओं के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं। शाहिदी ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक अच्छा मैच होगा। हमारा ध्यान चीजों को सरल रखने पर होगा और सेमीफाइनल खेलने के बारे में ज्यादा चिंता नहीं करनी होगी। हम अपनी चीजों को अच्छे से करने की कोशिश करेंगे और अच्छी योजना के साथ मैदान पर उतरने की कोशिश करेंगे।

अफगानी लोग हमेशा हमारे साथ

उन्होंने कहा, अफगानिस्तान के लोग हमेशा हमारे लिए जश्न मनाते हैं, जैसा कि आपने स्टेडियम में (इंग्लैंड के खिलाफ) देखा था। यहां अफगानिस्तान के बहुत सारे दर्शक थे। उनका समर्थन हमेशा हमारे साथ है, और हम जहां भी जाते हैं, वे हमारा समर्थन करते हैं। वे स्टेडियमों में आ रहे हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद एशिया कप में भिड़ेंगे भारत और पाकिस्तान, जानिए कब होगा टूर्नामेंट का आगाज

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 से पहले एशिया कप का आयोजन होगा। इस टूर्नामेंट की मेजबानी भारत के पास है। हालांकि, एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) टूर्नामेंट का आयोजन तटस्थ स्थल पर कर सकता है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, एशिया कप 2025 का आगाज सितंबर में हो सकता है।

यह टूर्नामेंट टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। एशियाई क्रिकेट परिषद के एक सूत्र ने कहा– टूर्नामेंट सितंबर में होगा। भारत के पास मेजबानी के अधिकार हैं लेकिन यह यूएई या श्रीलंका में खेला जाएगा। बता दें कि, यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा पहले ही इस प्रारूप से संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी सूर्यकुमार यादव पर होगी।

भारतीय प्रशंसकों के लिए बड़ी खुशखबरी आ रही है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने एशिया कप के आयोजन की तैयारी कर ली है। इस टूर्नामेंट का आयोजन इसी साल सितंबर में हो सकता है, जिसमें कुल 19 मुकाबले खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की खासियत भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला होगी। अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं तो दोनों तीन बार एक–दूसरे भिड़ सकती हैं। हाल ही में भारत ने मोहम्मद रिजवान के नेतृत्व वाली टीम को चौंपियंस ट्रॉफी के महामुकाबले में छह विकेट से हराया था। इस दौरान विराट कोहली ने शानदार शतक जड़ा था। एशिया कप 2025 में कुल आठ टीमें शामिल होंगी।

इनमें भारत और पाकिस्तान के अलावा श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, यूएई, ओमान और हांगकांग शामिल हैं। सभी टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा।

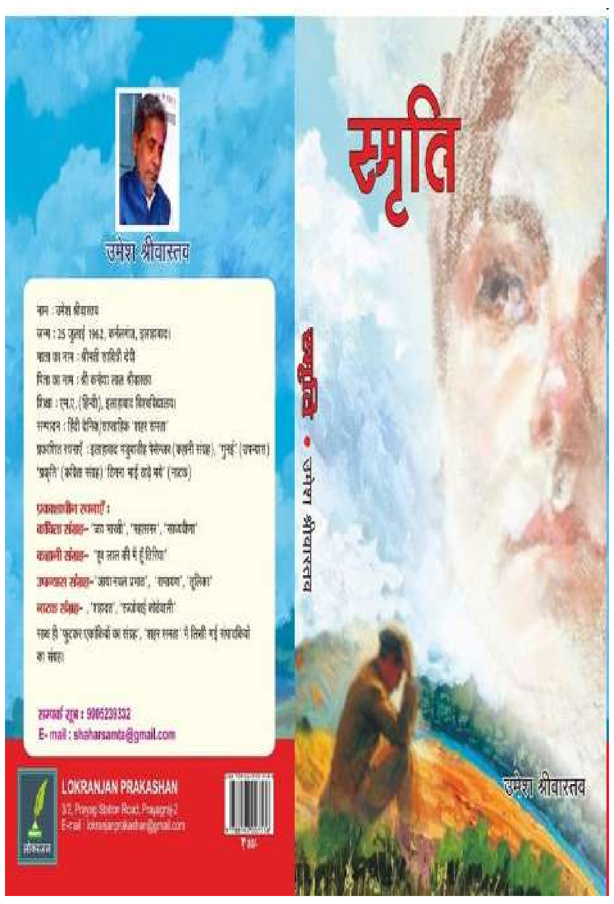

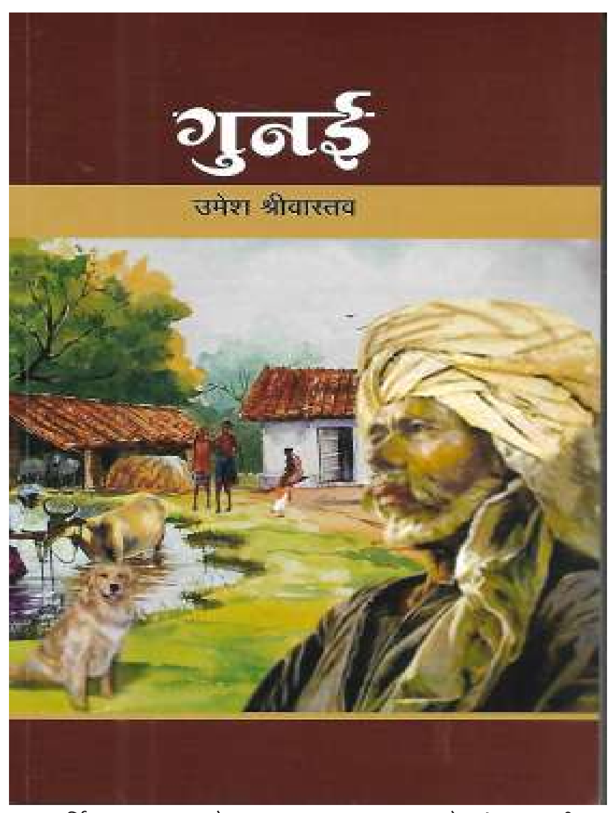

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

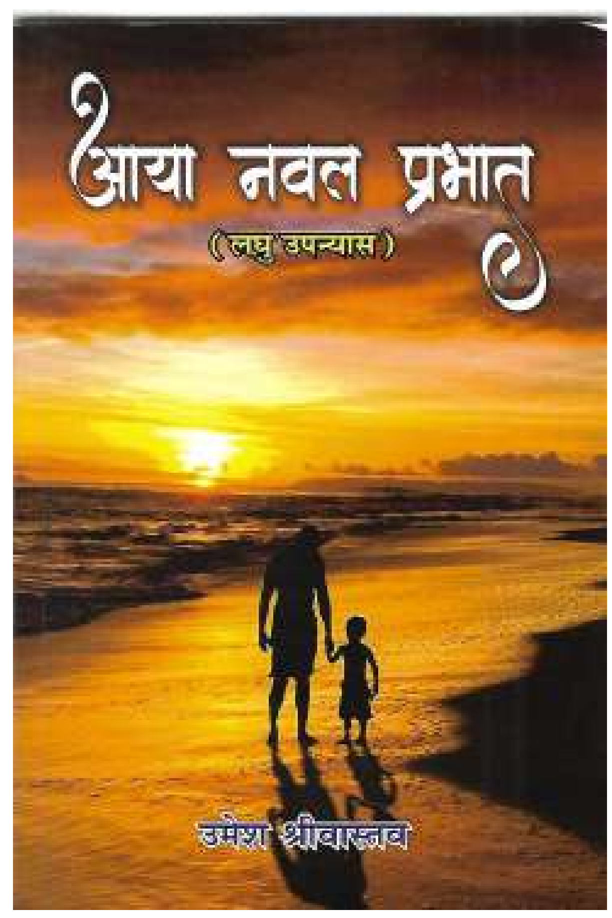

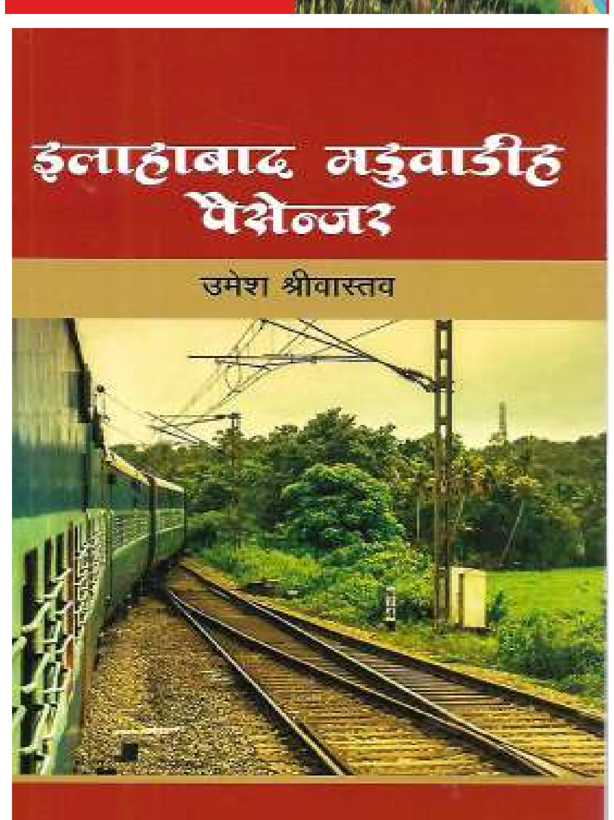

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

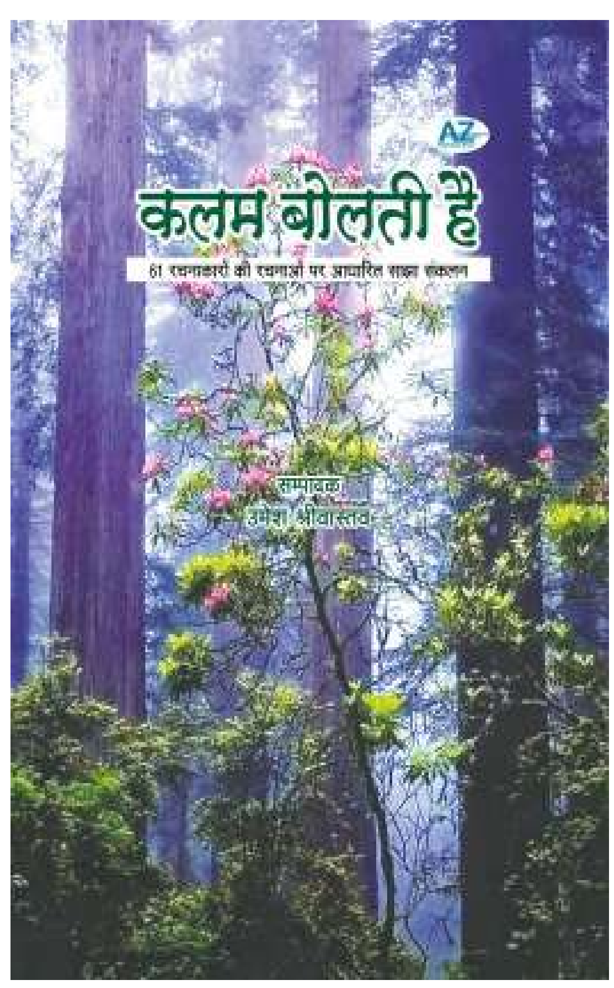

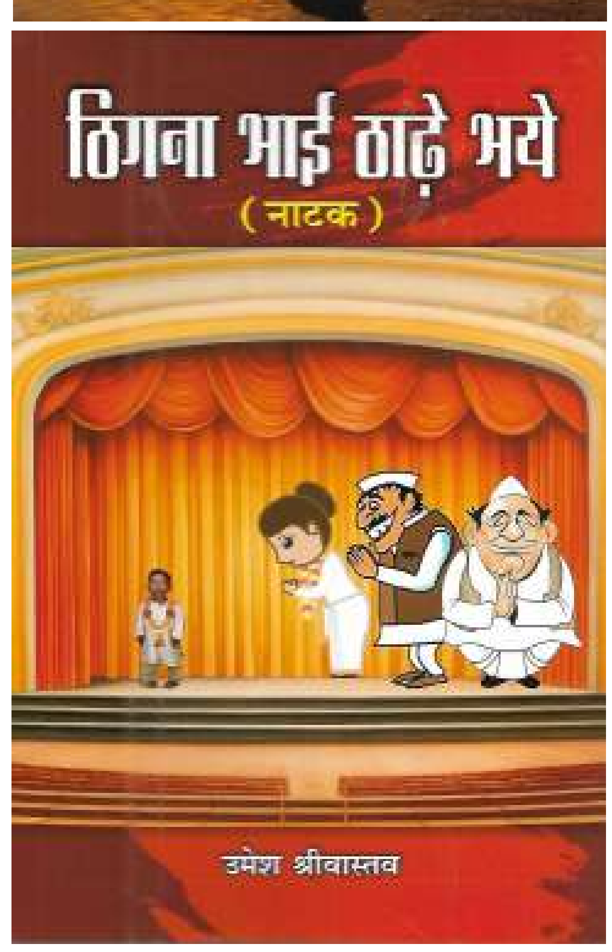

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

गाजा में संघर्ष विराम के अगले चरण को लेकर इजराइल और हमास के बीच वार्ता शुरू : मिस्र

मिस्र ने कहा है कि गाजा में संघर्ष विराम के अगले चरण को लेकर इजराइल और हमास के बीच वार्ता बृहस्पतिवार को शुरू हो चुकी है। समझौते का पहला चरण शनिवार को समाप्त होना है, उससे पहले दोनों पक्षों के बीच वार्ता आरंभ होने से समझौते पर मंडरा रहा खतरा फिलहाल टल गया है। मिस्र की

सरकारी सूचना सेवा ने एक बयान में कहा कि इजराइल, कतर और अमेरिका के अधिकारियों ने काहिरा में संघर्ष विराम के दूसरे चरण पर "गहन चर्चाएं" आरंभ कर दी हैं। बयान में कहा गया है, "मध्यस्थ, गाजा में मानवीय सहायता की आपूर्ति बढ़ाने के रास्तों पर भी चर्चा कर रहे हैं।" दूसरे दौर की वार्ता का उद्देश्य युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत करना है, जिसमें गाजा में बचे हुए सभी जीवित बंधकों की वापसी, तथा क्षेत्र से सभी इजरायली सैनिकों को वापस बुलाया जाना शामिल है। तीसरे चरण में शेष मृतक बंधकों के शव सौंपने पर चर्चा होगी। इजराइल के अनुसार, अब भी 59 बंधक हमास के कब्जे में हैं, जिनमें से 24 जीवित हो सकते हैं। वार्ता शुरू होने से कुछ घंटे पहले एक इजराइली अधिकारी ने कहा कि उनका देश गाजा में स्थित रणनीतिक गलियारे से सैनिकों को वापस नहीं बुलाएगा। इजराइल के इस फैसले से वार्ता में चुनौतियां पेश आ सकती हैं।

ट्रंप से मुलाकात में जेलेंस्की भविष्य में रूसी आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन की सुरक्षा की गुहार लगाएंगे

वाशिंगटन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे, जिसपर सबकी निगाहें टिकी हैं। इस मुलाकात में यह पता चलेगा कि ट्रंप भविष्य में रूस के आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन को अमेरिकी सहायता मुहैया कराने का वादा करेंगे या नहीं। वाशिंगटन यात्रा के दौरान जेलेंस्की का प्रतिनिधिमंडल अमेरिका के साथ एक ऐतिहासिक आर्थिक समझौता कर सकता है, जिसका उद्देश्य युद्ध से तबाह हुए यूक्रेन के पुनर्निर्माण के लिए पैसा

जुटाना है। इस संभावित समझौते को तीन वर्ष से जारी युद्ध को समाप्त करने की दिशा में एक कदम के रूप में देखा जा रहा है, हालांकि यूक्रेन की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बरकरार हैं। दोनों नेताओं के बीच संभवतः शुक्रवार को होने वाली वार्ता में इस मुद्दे पर बात हो सकती है। हालांकि ट्रंप ने अमेरिका की ओर से यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने को लेकर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है। उन्होंने इस सप्ताह पत्रकारों से कहा था, "मैं सुरक्षा गारंटी नहीं देने जा रहा। यह यूरोप पर निर्भर है।

कर्मचारियों की संख्या में 50 प्रतिशत तक कटौती कर सकता है अमेरिकी सामाजिक सुरक्षा प्रशासन

अमेरिका में सामाजिक सुरक्षा प्रशासन कुल 60,000 कर्मचारियों में से कम से कम 7,000 की छंटनी करने की तैयारी कर रहा है। एजेंसी की योजनाओं से अवगत एक व्यक्ति ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी। नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर ही दूसरे व्यक्ति ने कहा कि कर्मचारियों की छंटनी बढ़कर 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। एजेंसी ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति जारी की है, जिसमें कर्मचारियों की संख्या में कटौती समेत विभिन्न योजनाओं की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी गई है। एजेंसी ने श्रमिकों को लिखे पत्र में कहा कि पुनः नियुक्ति "अनैच्छिक हो सकती है और नए कार्यभार के लिए पुनः प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ सकती है।" यह छंटनी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग के माध्यम से संघीय कार्यबल में कटौती के ट्रंप प्रशासन के प्रयासों का हिस्सा है।

नेपाल के काठमांडू के निकट 6.1 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू। नेपाल में काठमांडू के निकट शुक्रवार तड़के शक्तिशाली भूकंप आया जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.1 मापी गई। भूकंप से जान–माल का किसी प्रकार का नुकसान होने की तत्काल कोई खबर नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, काठमांडू से 65 किलोमीटर पूर्व में सिंधुपालचोक जिले में कोडारी राजमार्ग पर तड़के तीन बजकर 51 मिनट पर भूकंप आया जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.1 दर्ज की गई। भूकंप काठमांडू घाटी और उसके आसपास महसूस किया गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

डोनाल्ड ट्रम्प की चीन की कमर तोड़ने की नयी चाल!

मेक्सिको और कनाडा पर 4 मार्च से लागू होगा टैरिफ, चीन पर मौजूदा 10% टैरिफ को दोगुना किया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार (4 मार्च, 2025) से कनाडा और मेक्सिको पर टैरिफ लगाने की योजना बनाई है, साथ ही चीन से आयात पर लगाए जाने वाले 10: यूनिवर्सल टैरिफ को भी दोगुना किया है। गुरुवार को ट्रुथ सोशल पोस्ट में, ट्रम्प ने कहा कि फेंटेनाइल जैसी अवैध दवाओं की तस्करी संयुक्त राज्य अमेरिका में ष्अस्वीकार्य स्तरष् पर की जा रही है और आयात कर अन्य देशों को तस्करी पर नकेल कसने के लिए मजबूर करेंगे। रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने लिखा, ष्हम इस संकट को अमेरिका को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं दे सकते हैं, और इसलिए, जब तक यह बंद नहीं हो जाता है, या गंभीर रूप से सीमित नहीं हो जाता है, प्रस्तावित टैरिफ जो 4 मार्च को लागू होने वाले हैं, वास्तव में निर्धारित समय पर लागू होंगे। चीन पर भी उसी तारीख को अतिरिक्त 10: टैरिफ लगाया जाएगा

टैरिफ बढ़ने की संभावना ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को पहले ही उथल–पुथल में डाल दिया है, उपभोक्ताओं ने मुद्रास्फीति के बिगड़ने और ऑटो सेक्टर तथा अन्य घरेलू निर्माताओं के ट्रम्प द्वारा आयात कर बढ़ाए जाने पर नुकसान होने की आशंका व्यक्त की है। लेकिन श्री ट्रम्प ने कई बार केवल अंतिम समय में राहत देने के लिए आक्रामक रुख अपनाया है, इससे पहले वे कनाडा और मैक्सिको के टैरिफ को 30 दिनों के लिए स्थगित करने पर सहमत हुए थे, जो शुरू में फरवरी में शुरू होने वाले थे। टैरिफ के खतरे ने शेयर बाजार को डरा दिया और गुरुवार को एसएंडपी 500 इंडेक्स में 1.6: की गिरावट आई। श्री ट्रम्प द्वारा नवंबर में चुनाव जीतने के बाद एसएंडपी 500 अब केवल 1.4: अधिक है, जिससे लगभग सभी लाभ समाप्त हो गए हैं, जिन्हें राष्ट्रपति ने एक बार आर्थिक पुनरुद्धार के प्रमाण के रूप में उद्धृत किया था। गुरुवार को इस तथ्य के बारे में पूछे जाने पर कि टैरिफ का भुगतान मुख्य रूप से उपभोक्ताओं और आयात करने वाली कंपनियों के लिए किया जाता है। ट्रम्प ने यह कहकर किसी भी चिंता को खारिज कर दिया– ष्यह एक मिथक है।ष् यह संभव है कि मजबूत अमेरिकी डॉलर टैरिफ की कुछ लागतों की भरपाई कर सके, लेकिन ट्रम्प का बयान उनके नियोजित करों की व्यापकता को देखते हुए अधिकांश आर्थिक मॉडलिंग के विपरीत है। ट्रम्प मेक्सिको और कनाडा से आयात पर 25: टैरिफ

लगाने का इरादा रखते हैं, जबकि तेल और बिजली जैसे कनाडाई ऊर्जा उत्पादों पर 10: कम कर लगाया जाएगा। यह कदम, जो जाहिर तौर पर नशीली दवाओं की तस्करी और आव्रजन के बारे में है, ने मेक्सिको और कनाडा को इन मुद्दों को संबोधित करने के अपने मौजूदा प्रयासों पर जोर देकर प्रतिक्रिया देने के लिए प्रेरित किया। कनाडा ने एक फेंटेनाइल ज़ार बनाया, और मेक्सिको ने अपने नेशनल गार्ड के 10,000 सदस्यों को संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अपनी सीमा पर भेजा। मैक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने गुरुवार को कहा कि उन्हें इस सप्ताह वाशिंगटन में होने वाली कैबिनेट–स्तरीय बैठकों के बाद ट्रम्प से बात करने की उम्मीद है। मेक्सिको के विदेश मामलों के सचिव जुआन रामोन डे ला फूएंटे गुरुवार दोपहर को विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मिलने वाले थे। शीनबाम ने कहा ट्रम्प, ष्जैसा कि आप जानते हैं, संवाद करने का उनका अपना तरीका है। लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी सरकार टैरिफ से बचने के लिए एक समझौते के बारे में ष्शांतष् और आशावादी रहेगी। उन्होंने कहा मुझे उम्मीद है कि हम एक समझौते पर पहुंचने में सक्षम हैं और 4 मार्च को हम कुछ और घोषणा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेक्सिको के सुरक्षा प्रमुख अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ खुफिया जानकारी साझा करने पर चर्चा कर रहे थे, जिससे अमेरिका में महत्वपूर्ण गिरफ्तारियाँ हो सकेंगी। आर्थिक मोर्चे पर, उन्होंने कहा कि मेक्सिको का लक्ष्य मुक्त व्यापार समझौते की रक्षा करना है, जिस पर मेक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच पहले ट्रम्प प्रशासन के दौरान बातचीत हुई थी। 2020 का वह सौदा, जिसमें कनाडा भी शामिल था, 1994 के उत्तरी अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौते का एक अद्यतन था। कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि उनके देश ने सीमा सुरक्षा में सुधार के लिए 1 बिलियन कनाडाई डॉलर से अधिक का निवेश किया है, उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के मंत्री और अधिकारी भी इस सप्ताह वाशिंगटन में हैं। ट्रूडो ने मॉन्ट्रियल में कहा, ष्कनाडा के साथ सीमा पर फेंटेनाइल के मामले में संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए कोई आपात स्थिति नहीं है, और यही बात हम इस समय प्रदर्शित कर रहे हैं। यदि संयुक्त राज्य अमेरिका आगे बढ़ता है और टैरिफ लगाता है, तो हमने पहले ही अपनी योजना का विवरण साझा कर दिया है। हमारे पास 30 बिलियन डॉलर के अमेरिकी उत्पाद हैं जो टैरिफ के अधीन होंगे। और 125 बिलियन डॉलर के टैरिफ जो तीन सप्ताह बाद लागू होंगे। लेकिन हम उस स्थिति में नहीं रहना चाहते। ट्रम्प ने फेंटेनाइल बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रसायनों के निर्माण में चीन की भूमिका के लिए उस पर 10: टैरिफ लगाया था, और उनके सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार अब यह कर दोगुना हो जाएगा। गुरुवार को, चीन के वाणिज्य मंत्री वांग वेंटाओ ने नए पुष्टि किए गए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर को लिखा कि व्यापार पर मतभेदों को संवाद और बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। सेंटर–राइट थिंक टैंक अमेरिकन एक्शन फ़ोरम के व्यापार नीति विश्लेषक जैकब जेन्सन के अनुसार, मेक्सिको और कनाडा पर 25: टैरिफ अमेरिकी जनता पर सालाना 120 बिलियन डॉलर से 225 बिलियन डॉलर के बीच कुल कर वृद्धि के बराबर होगा। अतिरिक्त चीन टैरिफ से उपभोक्ताओं को 25 बिलियन डॉलर तक का नुकसान हो सकता है। उच्च कीमतों और धीमी वृद्धि की संभावना श्री ट्रम्प के लिए राजनीतिक झटका पैदा कर सकती है, जिन्होंने पिछले साल के राष्ट्रपति चुनाव में मतदाताओं से वादा किया था कि वे मुद्रास्फीति दर को जल्दी से कम कर सकते हैं, जो डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बिडेन के कार्यकाल के दौरान बढ़ गई थी। लेकिन, ट्रम्प ने व्यापक टैरिफ लगाने का भी अभियान चलाया, जिसे वे 2 अप्रैल को लागू करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें वे उन करों के अनुरूप टैरिफ को पुनः निर्धारित करेंगे, जो उनके अनुसार अन्य देश अमेरिकी वस्तुओं पर लगाते हैं।

वरिष्ठ सैन्य अफसरों को बर्खास्त करने के ट्रंप के फैसले की पूर्व रक्षा मंत्रियों ने आलोचना की

वाशिंगटन, एजेंसी। पांच पूर्व रक्षा मंत्रियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल ही में ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष और कई अन्य वरिष्ठ सैन्य अफसरों को बर्खास्त करने के मामले में कांग्रेस से तत्काल सुनवाई करने का आग्रह किया है। एसोसिएटेड प्रेस के पास उपलब्ध एक पत्र से यह जानकारी सामने आई। पांचों व्यक्तियों – जिन्होंने पिछले तीन दशकों से रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक प्रशासन का प्रतिनिधित्व किया है – ने कहा कि ये बर्खास्तगी चिंताजनक हैं, इसने "प्रशासन की सेना का राजनीतिकरण करने की इच्छा के बारे में परेशान करने वाले प्रश्न" उठाए हैं और राष्ट्रपति की शक्ति पर कानूनी सीमाएं हटा दी हैं। पिछले हफ्ते के

अंत में ट्रंप ने वायुसेना के जनरल सीक्यू ब्राउन जूनियर को ज्वाइंट चीफ्स के अध्यक्ष पद से हटा दिया। इसके बाद रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने नौसेना संचालन प्रमुख एडमिरल लिसा फ्रैंचेटी, वायुसेना के उप प्रमुख जनरल जिम स्लाइफ और सैन्य सेवाओं के लिए जज एडवोकेट जनरल को हटा दिया। हेगसेथ ने ब्राउन की बर्खास्तगी का बचाव करते हुए कहा कि अन्य राष्ट्रपतियों ने भी सैन्यकर्मियों में बदलाव किए थे और ट्रंप को अपनी टीम चुनने का अधिकार है। विलियम पेरी, लियोन पेनेटा, चक हेगल, जिम मैटिस और लॉयड ऑस्टिन द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है कि बर्खास्तगी का कोई वास्तविक औचित्य नहीं है, क्योंकि इनमें से कई अधिकारियों को पूर्व में भी ट्रंप द्वारा ही नामित किया गया था। इसमें कहा गया कि उनका करियर अनुकरणीय रहा है, जिसमें परिचालन और युद्ध का अनुभव भी शामिल है। पत्र में कहा गया है, "हम, बहुत से अमेरिकियों की तरह – जिनमें अनेक सैनिक भी शामिल हैं – इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि इन अधिकारियों को विशुद्ध रूप से पक्षपातपूर्ण कारणों से हटाया जा रहा है।" उन्होंने पत्र में कहा, "हम कांग्रेस के सदस्यों से कोई उपकार करने के लिए नहीं कह रहे हैं; हम उनसे अपना काम करने के लिए कह रहे हैं।" उन्होंने कहा कि इस बीच, सीनेटरों को पेंटागन (अमेरिकी रक्षा मंत्रालय) के किसी भी नए नामांकन की पुष्टि करने से इनकार कर देना चाहिए, जिसमें सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल डैन केन (का नामांकन) भी शामिल हैं, जिनके बारे में ट्रंप ने कहा है कि उन्हें अगला ज्वाइंट चीफ अध्यक्ष होना चाहिए।

ब्रिटेन से प्रत्यर्पण को रोकने वाली नीरव मोदी की 'गोपनीय' प्रक्रिया जल्द पूरी होने की संभावना नहीं

ब्रिटेन की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रत्यर्पण को रोकने वाली नीरव मोदी से संबंधित "गोपनीय" प्रक्रिया के जल्द पूरा होने की संभावना नहीं है। भारत में धोखाधड़ी और धनशोधन के आरोपों का सामना करने के लिए प्रत्यर्पण लड़ाई हारने के बाद नीरव लगभग छह साल से लंदन की जेल में है और एक "गोपनीय" प्रक्रिया के नतीजे आने तक रिमांड पर है। नीरव लंदन उच्च न्यायालय में सुनवाई के लिए टेम्ससाइड जेल से वीडियो लिंक के माध्यम से पेश हुआ। मामले में अपना मौखिक फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति डेविड बेली ने कहा कि भारत में जन्मे व्यवसायी ने आपराधिक आरोपों से इनकार किया है और उसे दोषी नहीं ठहराया गया है। उन्होंने कहा, "वह 'गोपनीय' प्रक्रिया के नतीजे आने तक रिमांड पर है जिसके 2026 के अंत तक चलने की संभावना है... (और) इसके जल्द समाप्त होने की संभावना नहीं है।"

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

उत्तर कोरिया ने क्रूज मिसाइल परीक्षण का दावा किया

उत्तर कोरिया ने परमाणु हमले की स्थिति में जवाबी कार्रवाई करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए सामरिक रूप से अहम क्रूज मिसाइल के परीक्षण का शुक्रवार को दावा किया।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

'सुरक्षा परिषद के कामकाज को पारदर्शी बनाने की जरूरत', भारत ने फिर उठाई बदलाव की मांग

न्यूयॉर्क। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और इसके संबंधित निकायों के कामकाज में पारदर्शिता लाने की मांग की है। भारत ने कहा है कि आतंकी संगठनों को ब्लैकलिस्ट करने की मांग को खारिज करने या फिर उन्हें लंबित रखने की वजह बताई जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र से जुड़े अहम मुद्दों पर कुछ खास कदम नहीं उठा पा रहा है। पी. हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद की संबंधित निकायों में पारदर्शिता लाने की जरूरत है। पी. हरीश ने उदाहरण दिया कि सूचीबद्ध फैसलों को सार्वजनिक किया जाता है, जबकि सूचीबद्ध अनुरोधों को कहा कि अतीत में कई बार पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों को प्रतिबंधित कराने की भारत की कोशिशों पर चीन द्वारा रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के अधिकतर सदस्य देश सुरक्षा परिषद में बदलाव के समर्थक हैं, लेकिन इसके बावजूद में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने यूएन में एक अंतर–सरकारी सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कामकाज में संशोधन की तुरंत जरूरत है।

यूएनएससी के कामकाज में पारदर्शिता लाने की जरूरत

पी. हरीश ने कहा कि ष्यूएनएससी में बदलाव की मांग हमारी स्पष्ट है। यह तब और भी जरूरी हो जाता है, जब दुनिया भर में संयुक्त राष्ट्र की क्षमताओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र मानवता अस्वीकार करने या फिर तकनीकी रोक लगाने से संबंधित विवरण को गुप्त रखा जाता है। यह असल में एक छिपा हुआ वीटो है।

भारत ने चीन की मंशा पर उठाए सवाल

भारत के राजदूत ने चीन की मंशा पर सवाल उठाते हुए व्यवहारिक तौर पर इस दिशा में कोई काम नहीं हुआ है। हम इसे लेकर कई चर्चाएं और बैठकें कर चुके हैं, लेकिन स्थिति जस की तस है। सदस्य देशों को अब बहुत ज्यादा समय बातचीत में नहीं गंवाना चाहिए। यह समय आगे बढ़ने का और नतीजे दिखाने का है।

प्रेस पुस्तक पंजीकरण अधिनियम की धारा–१६ डी के अधीन प्रकाशनार्थ अपेक्षित "शहर समता" हिन्दी दैनिक समाचार पत्र प्रयागराज के स्वामित्व सम्बन्धी व अन्य विवरण–

फार्म–४ (नियम–८)

१. प्रकाशक का नाम	–	उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
२. प्रकाशन का स्थान	–	२८६/२३८ ए, कर्नलगंज, प्रयागराज
३. मुद्रक का नाम व पता	–	उमेश चन्द्र श्रीवास्तव २८६/२३८ ए, कर्नलगंज, प्रयागराज
४. क्या भारतीय है	–	हाँ
५. सम्पादक का नाम	–	उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
६. क्या भारतीय है	–	हाँ
७. पता	–	२८६/२३८ ए, कर्नलगंज, प्रयागराज
प्रपत्र–४ आइटम नं.–६ के अन्तर्गत प्रदर्शनीय	–	उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

कम्पनी/फर्म के अंश धारकों जो प्रदत्त पूंजी के १ प्रतिशत से अधिक के धारक हैं।

मैं उमेश चन्द्र श्रीवास्तव एतद्द्वारा घोषित करता हूं कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य है।

हस्ताक्षर
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
स्वामी/प्रकाशक
१ मार्च, २०२५

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।